दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

कहीं आप भी तो नहीं क...8

सिद्धार्थनगर
मंगलवार ,21 जुलाई 2026
वर्ष: 13 अंक :219 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

नीट और राम मंदिर विवाद: हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र का पहला दिन, आगे भी होगी सियासी जंग

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के सदस्यों के विरोध के कारण लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की कार्यवाही में बाधा आने के बाद, 20 जुलाई को संसद का मॉनसून सत्र स्थगित कर दिया गया। विपक्ष ने नीट–यूजी 2026 पेपर लीक और अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में डोनेशन के गबन के आरोपों पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई और यह 21 जुलाई को सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी। लोकसभा की कार्यवाही भी अगले दिन सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। यह सत्र 13 अगस्त तक चलेगा और उम्मीद है कि इसमें राजनीतिक रूप से गरमा–गरम बहसें होंगी, खासकर आने वाले राज्य चुनावों के मद्देनजर।

लोकसभा की कार्यवाही के दौरान, विपक्ष के नारों के बीच केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने श्सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। इस विधेयक का मकसद सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में और संशोधन करना है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव है, जो पहले जारी किए गए एक अध्यादेश की जगह लेगा। लोकसभा में सोमवार को विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सके। राज्यसभा में सरकार राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश करने की योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन करना है। प्रस्तावित संशोधन के तहत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम में किसी भी तरह की बाधा डालने या उसका अपमान करने को अपराध माना जाएगा। विपक्ष ने संकेत दिया है कि वह सत्र के दौरान नीट–यूजी 2026 पेपर लीक, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित हेराफेरी और अन्य मुद्दों पर बहस कराने की कोशिश करेगा। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन के नौ नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। जिन सदस्यों ने उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली वे गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, राजस्थान और पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पीएम मोदी को राहुल ने बताया युवा–विरोधी प्रधानमंत्री, बोले– **Dharmendra Pradhan** को क्यों बचा रहे?

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने मोदी को भारत के इतिहास का सबसे युवा–विरोधी प्रधानमंत्री बताया और उन पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बचाने का आरोप लगाया। गांधी ने दावा किया कि 152 परीक्षा पेपर लीक हुए और 7.5 करोड़ छात्र इससे प्रभावित हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि इतने बड़े संकट के बावजूद किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति को सजा नहीं दी गई। राहुल गांधी ने वीडियो संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा–विरोधी प्रधानमंत्री हैं – इतने युवा विरोधी कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक। 7.5 करोड़ छात्र पीड़ित। और सजा एक दोषी को भी नहीं। सजा किसे मिली? मेहनती युवाओं को। और जब इन बच्चों ने शिक्षा के जायज सवाल उठाए – तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत। लीक करने वाले अपराधी आजाद – और वाजिब मुद्दे उठाने वाले छात्र घसीटे जाते हैं, पीटे जाते हैं। यह सरकार सिर्फ युवाओं को नाकाम नहीं कर रही – उनपर टूट पड़ी है।कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को छम्म्ज्–न्ळ 2026 पेपर लीक के आरोपों को लेकर विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ष्ये हमारे बच्चे हैंष और केंद्र सरकार पर संसद में शिक्षा नीति से जुड़े मुद्दों पर चर्चा न करने का आरोप लगाया। मानसून सत्र के पहले दिन संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि जहां विपक्ष शिक्षा क्षेत्र के अहम मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहा है, वहीं इस मुद्दे पर विरोध कर रहे छात्रों के साथ सख्ती बरती जा रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि हम सब चर्चा की मांग कर रहे हैं।

राम मंदिर दान घोटाला

जांच में हो पारदर्शिता, सुप्रीम कोर्ट ने नई एसआईटी गठित करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुझाव दिया कि अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का फिर से गठन किया जाए। कोर्ट ने कहा कि वह चाहेगी कि जांच किसी ऐसे सीनियर इंडियन पुलिस सर्विस अधिकारी से कराई जाए, जिन्हें ऐसे मामलों को संभालने का अनुभव हो। भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने कहा कि पहले बनाई गई **SIT** को शुरुआती रिपोर्ट सौंपने का काम सौंपा गया था।

इसलिए, कोर्ट ने कहा कि पूरी जांच के लिए एक अलग **SIT** बनाई जानी चाहिए। कोर्ट की यह टिप्पणी तब आई जब उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि **SIT** का गठन सच्चाई का पता लगाने के लिए किया गया था और उसे पता चला कि यह एक संज्ञेय अपराध है। इस पर, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लखनऊ के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस और दो सीनियर इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस अधिकारी ष्ैप्ज का हिस्सा थे, और पूछा कि क्या वे निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य जांच कर सकते हैं। इस बेंच में जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे। बेंच ने मामले का राजनीतिकरण न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि यह अपराध का एक साधारण मामला है। ब्श्रप् कांत ने कहा बस एक सलाह है। कृपया इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करें। अदालतें राजनीति की जगह नहीं हैं हम (यहां) सिर्फ यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि मामले की ठीक से जांच हो। अदालत ने इस मामले में अब तक कोई अंतिम आदेश या निर्देश जारी नहीं किया है और अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी **SIT** द्वारा बेंच को सीलबंद लिफाफे में स्टेटस रिपोर्ट सौंपने के एक दिन बाद आई है। अदालत ने **SIT** से 13 जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा था। उस समय, अदालत ने मामले की गहन जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस भी जारी किया था।

जम्मू–कश्मीर के च्वववदबी में भूस्खलन से 7 की मौत, सीएम उमर अब्बुदला ने किया 6 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में भूस्खलन की चपेट में आने से मिट्टी के एक घर में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह घटना लोरान गांव में हुई, जहां इलाके में भारी बारिश हो रही थीय मरने वालों में चार महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि बचाव अभियान चल रहा है और तलाशी के लिए टीमें पहुंच गई हैं। पुंछ जम्मू–कश्मीर के उन इलाकों में से एक है जहां भारी बारिश हुई है, जिससे कई हिस्सों में अचानक बाढ़ और बादल फटने जैसी घटनाएं हुई हैं। बचाव अभियान जारी है, लेकिन अधिकारियों ने बताया है कि पुंछ जिले में अब तक लगभग 17 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि छह लोग अभी भी लापता हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला लगातार हालात पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने पीड़ित परिवारों की तुरंत मदद के तौर पर, मारे गए हर व्यक्ति के परिवार को 6 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया है। इसमें 4 लाख रुपये श्स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड से और 2 लाख रुपये श्मुख्यमंत्री राहत कोषश से दिए जाएंगे।

जम्मू–कश्मीर बाढ़ पर केंद्र की वादाखिलाफी, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बोले– संघर्ष तो बस शुरू हुआ है

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के विरोध–प्रदर्शन को दबा दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से सम्मान और स्व–शासन के लिए उनके अभियान पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा और संवैधानिक अधिकार बहाल करने का आंदोलन तो अभी शुरू ही हुआ है। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में प्रदर्शन के दौरान आई चुनौतियों के बारे में अपने विचार साझा किए। उमर अब्दुल्ला ने लिखा कि हमें जंतर–मंतर जाने और अपने जायज हक के लिए शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने से रोका गया, लेकिन हमारी आवाज नहीं दबाई गई। यह राज्य का दर्जा, हमारे अधिकारों, हमारी गरिमा और हमसे छीनी गई हर चीज के लिए हमारे संघर्ष की बस शुरुआत है। इससे पहले, जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नई दिल्ली के जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने की कोशिश के दौरान पार्टी नेताओं को पाबंदियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कहा कि आंदोलन जारी है और वे अपने संवैधानिक लक्ष्यों पर केंद्रित हैं।

नानक स्वीट्स के स्टोर में लगी भीषण आग,लाखों का सामान जलकर राख

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद मे शहर के बीचो–बीच करबला रोड स्थित राजा मोहल्ले में सोमवार दोपहर एक विख्यात प्रतिष्ठान में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। चर्चा के मुताबिक शॉर्ट सर्किट के कारण श्री नानक स्वीट्स के स्टोर में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और सारा सामान जलकर राख हो गया।सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजा मोहल्ला निवासी उमेश कुमार के नानक स्वीट्स एवं ओमी कैटर्स की तीन मंजिला इमारत की तीसरी मंजिल पर बने स्टोर रूम में दोपहर करीब 12 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग पहले वहां रखे कपड़ों से भड़की और देखते ही देखते मिठाई के डिब्बों और अन्य सामान तक पहुंच गई। मिठाई बना रहे कर्मचारियों ने शुरुआत में आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैल गई। इसके बाद इमारत से घना धुआं निकलने लगा।आग की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड के जवानों ने मोर्चा संभालते हुए करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।तब तक स्टोर रूम में रखा लाखों रुपये का सामान, मिठाई के डिब्बे, पैकिंग सामग्री और अन्य सामान जलकर खाक हो चुका था। आग लगने से दो मंजिला बिल्डिंग में अफरातफरी मच गई। आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग भी मौके पर इकट्ठा हो गए।प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस और फायर विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया,जिससे जनहानि नहीं हुई।लेकिन प्रतिष्ठान को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

कांग्रेस के कीर्ति चिदंबरम ने डीएमके से पूछा सवाल: अहम मुद्दों पर क्यों बदल रहे अपना रुख?

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने सोमवार को अहम विधायी मामलों पर अपना रुख बदलने के लिए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की आलोचना की और कहा कि पार्टी को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट की सार्वजनिक जांच होनी चाहिए, जिसमें कम्पट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल द्वारा ऑडिट और संसदीय चर्चा शामिल हो। डीएमके के रुख पर बात करते हुए चिदंबरम ने कहा कि आपको क्डज्ञ से ही पूछना होगा कि वे अपना स्टैंड क्यों बदल रहे हैं। मेरी राय में, उन्हें एक देश, एक चुनाव का लालच दिया जा रहा है। वे जल्द से जल्द एक और चुनाव कराने की जल्दी में हैं। लेकिन मैं बस इतना कह सकता हूं कि अगर डीएमके उस रास्ते पर चलती है, तो अगले चुनावों में उनका हाल हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों से भी बुरा होगा। प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि डीएमके अपना पुराना विरोध जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि

क्डज्ञ का क्या रुख हैय आपको उनसे पूछना चाहिए। पिछली बार उन्होंने विधेयक का विरोध किया था, मुझे उम्मीद है कि इस बार भी वे विधेयक का विरोध करेंगे। चिदंबरम ने अपने विरोध का कारण बताते हुए कहा कि भले ही सीटों में बढ़ोतरी प्रतिशत के हिसाब से बराबर लगे, लेकिन असल संख्या के मामले में संसद में उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच का अंतर बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि कागज पर तो ऐसा लगता है कि सबको प्रतिशत के हिसाब से बराबर बढ़ोतरी मिल रही है, लेकिन संसदीय लोकतंत्र में असल संख्या मायने रखती है। अभी तमिलनाडु और पुडुचेरी के पास 40 सीटें हैं। उत्तर प्रदेश के पास 80 सीटें हैं। तो, तमिलनाडु, पुडुचेरी और उत्तर प्रदेश के बीच का अंतर 40 है। लेकिन अगर सीटों को 50: बढ़ाया जाए, तो तमिलनाडु और पुडुचेरी की सीटें 60 हो जाएंगी और उत्तर प्रदेश की 120। ऐसे में अंतर 60 हो जाएगा। इसलिए, राजनीति में असल संख्या मायने रखती है। यह सिर्फ प्रतिशत की बात नहीं है, क्योंकि भारत के उत्तरी राज्यों की बराबरी करने के लिए दक्षिणी राज्यों को बहुत ज्यादा काम करना होगा। दक्षिणी राज्यों की आबादी कम है और उन्होंने टैक्स में ज्यादा योगदान दिया है, फिर भी लोकसभा में उनके सांसदों की संख्या कम हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा की सदस्य संख्या बढ़ाने से संसदीय बहसों की असरदारता कम हो जाएगी। चिदंबरम ने कहा कि इसके अलावा, सदन में 543 सदस्य होने पर भी हमें बोलने के लिए बहुत कम समय मिलता है। 815 सदस्य होने पर बोलने के लिए और भी कम समय मिलेगा। स्पीकर हम सभी के नाम नहीं जानते हैं, और जो 300 अतिरिक्त सदस्य आएंगे, उनके नाम तो उन्हें बिल्कुल पता नहीं होंगे। ऐसे में, सदन चीन की तरह बस एक श्स्टैम्पिंग हाउसश बनकर रह जाएगा... एक बड़ी संसद बेअसर संसद होगी।

क्या पुलिस ने अभिजीत दिपके को हिरासत में लिया है?

सौरव दास ने बताया नड्डा से मुलाकात में क्या हुआ

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को दावा किया कि पुलिस ने अभिजीत दिपके को जंतर–मंतर से हिरासत में ले लिया है। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पुलिस ने दिपके को हिरासत में ले लिया है। हम सभी सांसदों से अपील करते हैं कि वे तुरंत सड़कों पर उतरे छात्रों के समर्थन में खड़े हों। हालांकि, बाद में अपडेट देते हुए दास ने कहा कि दिपके को हिरासत में नहीं लिया गया है और न ही गिरफ्तार किया

गया है। केरल हाउस के बाहर अभी भी भारी भीड़ जमा है। उन्होंने कहा कि पुलिस शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर बेरहमी से कार्रवाई कर रही है और उनकी पिटाई कर रही है। इसके साथ ही दास ने दावा किया कि 2 घंटे से ज्यादा इंतजार करने के बाद, आशुतोष रांका और मैंने जेपी नड्डा जी से उनके घर पर 10 मिनट के लिए मुलाकात की। हमने अपनी मांगों वाला एक लिखित पत्र उन्हें सौंपा है और उन्होंने हमें भरोसा दिलाया है कि वे इस बीच आंतरिक स्तर पर बातचीत करेंगे। हम अभी उसी प्रक्रिया में हैं। बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिए जाने जैसी खब्बरें आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में शामिल होने के लिए जंतर–मंतर जाने की कोशिश में कई प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बैरिकेड्स को तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने यहां शास्त्री भवन के पास आंसू गैस के गोले छोड़े। यह कार्रवाई हाई–सिक्योरिटी वाले इलाके में बढ़े तनाव के बीच हुई।

मुख्यमंत्री विजय के खिलाफ टिप्पणी करने पर डीएमके विधायक गिरफ्तार

पार्टी ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम के विधायक जी.वी. मार्कंडयन को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर आरोप था कि उन्होंने हाल ही में एक जनसभा के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ अपमानजनक और धमकी भरी बातें कही थीं। तीन बार विधायक रह चुके मार्कंडयन को पुलिस ने थूथुकुडी जिले में उनके घर से हिरासत में लिया। इस कार्रवाई के बाद उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। यह मामला सत्ताधारी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम के एक पदाधिकारी की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि

विधायक ने 18 जुलाई को कोविलपट्टी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक और धमकी भरी बातें कहीं। भारतीयनौसेना जानकारी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (ठछै) की धाराओं 351(3) (गंभीर आपराधिक धमकी), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 353(2) (समूहों के बीच दुश्मनी, नफरत या दुर्भावना को बढ़ावा देने वाले बयान या गलत जानकारी) के तहत मार्कांडयन के खिलाफ **FIR** दर्ज की है। गिरफ्तारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है, जिसमें मार्कंडयन पुलिस से कह रहे हैं कि उन्हें तमिलनाडु विधानसभा के स्पीकर की मंजूरी के बिना गिरफ्तार नहीं किया जा सकता क्योंकि वह मौजूदा विधायक हैं। पुलिस अधिकारी उन्हें अपने साथ थाने चलने के लिए मनाते हुए दिखे, जबकि उनके घर के बाहर समर्थक विरोध प्रदर्शन के लिए जमा हो गए थे।

73 वां और 74 वां संविधान संशोधन लागू कराने के लिए भारत सरकार से संवाद किया जाएगा – राना दिनेश प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा है कि 73 वां और 74 वां संविधान संशोधन लागू कराने के लिए

भारत सरकार से संवाद किया जाएगा। पंचायतों और नगर निकायों के प्रतिनिधियों को दिल्ली में ठहरने के लिए पंचायत सदन के निर्माण हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को प्रस्ताव दिया गया है जिसमें मयूर बिहार स्थित पंचायत परिषद अपने केंद्रीय कार्यालय परिसर पंचायत धाम में पीपीपी मॉडल पर एक एकड़ भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराएगी। मा० सांसदों और मा० विधयकों की भांति पंचायत प्रतिनिधियों के लिए भी वेतन भत्ते और पेंशन का प्राविधान किया जाना चाहिए। विधानसभा चुनाव के बाद यू पी में पंचायत अधिकार रथ यात्रा निकाल कर पंचायतों और नगर निकायों के प्रतिनिधियों को एकजुट किया जाएगा। प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों में सेमिनार आयोजित होंगे। श्री राना जनपद अलीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय पंचायत परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में प्रतिभाग कर बस्ती लौटने के बाद जारी एक प्रेस नोट में ये बातें कहीं । गत 19 जुलाई को अलीगढ़ स्थित धर्मपुर कोर्ट यार्ड के नेता जी सुभाष चंद्र बोस सभागार में सम्पन्न इस महत्वपूर्ण बैठक में बतौर मुख्य अतिथि देश के वरिष्ठतम राजनेता और भारत सरकार के पूर्व गृह मंत्री एवं अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान सुबोध कांत सहाय ने देश में समय से पंचायतों के चुनाव कराने पर जोर दिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आयोजन के लिए प्रदेश पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया। पंचायती राज व्यवस्था लागू करने वाली भारत सरकार की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य रहे पूर्व विधायक डी पी रॉय ने देश में पंचायतों को अधिकार सम्पन्न बनाने पर विस्तार से अपना प्रस्ताव रखा। अध्यक्षता कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोक चौहान ने किया। कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रीय महामंत्री और उत्तर प्रदेश प्रभारी श्री गवेंद्र सिंह ने सभी आगंतुकों का आभार जताया। संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्री अनिल शर्मा ने किया। बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ ही गुजरात, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, जम्मू कश्मीर, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना ,तमिलनाडु ,गोवा सहित देश के सभी प्रदेशों के प्रांतीय प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

अखिलेश सिंह की सुरक्षा बढ़ाने की मांग, विश्व हिन्दू महासंघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर संगठन के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग किया। इसके साथ ही उन्होने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन भी सौंपा जिसमें अखिलेश सिंह और उनके परिवार की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ किए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि अखिलेश सिंह लम्बे समय से हिंदू हितों, गौ संरक्षण तथा विभिन्न संवेदनशील मामलों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। संगठन का दावा है कि कई मामलों में शिकायतकर्ता रहने और आपराधिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई कराने के कारण उन्हें लगातार जान–माल का खतरा बना हुआ है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है

कि पूर्व में उन पर हमले के प्रयास किए जा चुके हैं। प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना ने पुलिस अधीक्षक से अखिलेश सिंह की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने मांग किया। जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में अखिलेश सिंह को उपलब्ध वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, अंगरक्षकों की संख्या बढ़ाने तथा सुरक्षा श्रेणी में वृद्धि करने की मांग की गई है। उन्होने बताया कि अखिलेश सिंह सुरक्षा बढाने विश्व हिन्दू महासंघ का कहना है कि संगठन के पदाधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाना आवश्यक है, ताकि किसी भी संभावित अप्रिय घटना से बचा जा सके। ज्ञापन सौंपने वालों में विजय शंकर शुक्ला वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष गौ रक्षा, एडवोकेट कुलदीप मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष अधिवक्ता प्रकोष्ठ विश्व हिंदू महासंघ, अमरजीत सिंह वरिष्ठ प्रदेश सलाहकार गौ रक्षा, प्रमोद सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष सनातन रक्षा वाहिनी, सुधीर सिंह प्रदेश मंत्री, समर प्रताप सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष सनातन रक्षा वाहिनी, महेश हिंदुस्तानी प्रदेश कार्य समिति सदस्य, चंद्रशेखर कमलापुरी प्रदेश उपाध्यक्ष सांस्कृतिक प्रकोष्ठ,विवेक श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष सनातन रक्षा वाली बालकृष्ण सिंह उज्जवल सिंह अभिषेक आर्य शिवम मिश्रा, महेन्द्र पाठक रवि शुक्ला आदि शामिल रहे।

आम आदमी पार्टी ने किया केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के त्यागपत्र की मांग: राष्ट्रपति को भेजा 4 सूत्रीय ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सोमवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी

पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने राजधानी दिल्ली के जन्तर–मन्तर पर अनशन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के साथ हुए पुलिस के दुर्व्यवहार और पेपर लीक, युवाओं की मांग, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के त्याग पत्र सहित 4 सूत्रीय मांगों क

फोटो 28 नानक स्वीट्स के स्टोर में लगी भीषण आग,लाखों का सामान जलकर राख

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद मे शहर के बीचो–बीच करबला रोड स्थित राजा मोहल्ले में सोमवार दोपहर एक विख्यात प्रतिष्ठान में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। चर्चा के मुताबिक शॉर्ट सर्किट के कारण श्री नानक स्वीट्स के स्टोर में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और सारा सामान जलकर राख हो गया।सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजा मोहल्ला निवासी उमेश कुमार के नानक स्वीट्स एवं ओमी कैटर्स की तीन मंजिला इमारत की तीसरी मंजिल पर बने स्टोर रूम में दोपहर करीब 12 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग पहले वहां रखे कपड़ों से भड़की और देखते ही देखते मिठाई के डिब्बों और अन्य सामान तक पहुंच गई। मिठाई बना रहे कर्मचारियों ने शुरुआत में आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैल गई। इसके बाद इमारत से घना धुआं निकलने लगा।आग की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड के जवानों ने मोर्चा संभालते हुए करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।तब तक स्टोर रूम में रखा लाखों रुपये का सामान, मिठाई के डिब्बे, पैकिंग सामग्री और अन्य सामान जलकर खाक हो चुका था। आग लगने से दो मंजिला बिल्डिंग में अफरातफरी मच गई। आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग भी मौके पर इकट्ठा हो गए।प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस और फायर विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है।गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया,जिससे जनहानि नहीं हुई।लेकिन प्रतिष्ठान को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

गांव–गांव पहुंचेगी कम्यूनिटी पुलिसिंग, बनकटा में बुजुर्गों से सीधा संवाद कर पुलिस ने बढ़ाया भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। जनपद में पुलिस और आमजन के बीच विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट (ब्न्) अभियान के तहत सोमवार को थाना खेसरहा क्षेत्र के ग्राम बनकटा में जनसंवाद एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों, ग्राम प्रधान, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भाग लिया। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित गोष्ठी में पुलिस अधिकारियों

ने बताया कि कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट का उद्देश्य जनता और पुलिस के बीच की दूरी कम कर सहयोग की भावना विकसित करना है। अभियान के तहत बुजुर्गों से नियमित संपर्क, जरूरत पड़ने पर सीधी सहायता उपलब्ध कराना, दिव्यांगजनों की सूची तैयार कर संवाद स्थापित करना, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर लावारिस बच्चों एवं बेसहारा लोगों की मदद, अनाथालय और वृद्धाश्रम में समस्याओं का समाधान, मेलों में खोया–पाया केंद्र का संचालन तथा नशा और साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करने जैसे कार्य किए जाएंगे। गोष्ठी में उपस्थित ग्रामीणों और वरिष्ठ नागरिकों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए हर स्तर पर सहयोग का भरोसा दिलाया। साथ ही पुलिस अधिकारियों ने शासन और उच्चाधिकारियों के निर्देशों की जानकारी भी लोगों को दी। इस दौरान कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट के उपनिरीक्षक वीरेंद्र सिंह एवं हेड कांस्टेबल राहुल सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

युवक की संदिग्ध मौत मामले में नया मोड़, मां ने लगाया हत्या का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। खेसरहा क्षेत्र की कुशियारी चौकी अंतर्गत बिरापतजोत गांव में फंदे से लटके मिले 26 वर्षीय युवक की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। घटना के दो दिन बाद मृतक की मां ने थानाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर दो महिलाओं समेत तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है तथा निष्पक्ष जांच कर मुकदमा दर्ज करने और आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, बिरापतजोत निवासी

राजेश लोधी पुत्र रामवृक्ष का शव 17 जुलाई की शाम उसके खपरैल मकान की धरन से साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और मामले की जांच शुरू कर दी थी। रविवार को मृतक की मां रामरती ने दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि उनकी बड़ी बहू अंजनी और राजेश की पत्नी मनीषा का गांव के एक युवक से प्रेम प्रसंग था। इसी बात को लेकर राजेश और उसकी पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। आरोप है कि घटना वाले दिन राजेश ने दोनों महिलाओं और संबंधित युवक को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया, जिसके बाद तीनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और मामले को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मृतक की मां का प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है। लगाए गए सभी आरोपों और परिस्थितियों की गंभीरता से जांच की जा रही है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम पंचायत हरैया के प्रशासक पद से हटाए गए प्रधान, 28 हजार रुपये की वसूली का भी आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद की ग्राम पंचायत हरैया, विकास खंड जोगिया में वित्तीय अनियमितताओं के मामले में जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने वर्तमान ग्राम प्रधान एवं प्रशासक अब्दुल कय्यूम को प्रशासक पद से हटाते हुए सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), जोगिया को नया प्रशासक नियुक्त कर दिया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार, शिकायतकर्ता कपिलदेव द्वारा की गई शिकायत की जांच जिला उद्यान अधिकारी एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अवर अभियंता से कराई गई थी। जांच में मनरेगा से संबंधित कई कार्यों में कुल 28,245.19 रुपये की वित्तीय अनियमितता पाई गई। इसके आधार पर पूर्व में संबंधित ग्राम प्रधान से धनराशि की वसूली का आदेश भी जारी किया गया था, लेकिन अब तक राशि जमा नहीं की गई। प्रशासन ने ग्राम प्रधान द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण का परीक्षण करने के बाद पाया कि जांच में सामने आई अनियमितताओं के मद्देनजर उन्हें प्रशासक पद पर बनाए रखना उचित नहीं है। इसी आधार पर उन्हें प्रशासक पद से हटाने का आदेश जारी किया गया। जिलाधिकारी ने शासनादेशों के अनुरूप सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), जोगिया को ग्राम पंचायत हरैया का प्रशासक नियुक्त किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

शिवनगर डिड़ई में कम्युनिटी पुलिसिंग अभियान के तहत कर्मा गांव में पुलिस ने वरिष्ठ नागरिकों से किया संवाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। कम्युनिटी पुलिसिंग अभियान के तहत थाना शिवनगर

डिड़ई पुलिस ने सोमवार को थाना क्षेत्र के ग्राम कर्मा में वरिष्ठ नागरिकों एवं ग्रामीणों के साथ जनसंवाद एवं गोष्ठी का आयोजन किया। इस दौरान उनकी समस्याएं सुनी गईं और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन के निर्देशन में चलाए जा रहे कम्युनिटी पुलिसिंग अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के आदेश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष बृजेश सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। गोष्ठी में पुलिस टीम ने वरिष्ठ नागरिकों और ग्रामीणों से उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को साइबर अपराधों से सतर्क रहने, कानून–व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने पुलिस के इस जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए सहयोग और विश्वास बनाए रखने का भरोसा दिलाया।

ग्रामीण बच्चों के लिए वरदान बना अतुल्य विकास फाउंडेशन का निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा केंद्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा सफलता की नई पहचान बन चुकी है। ऐसे समय में ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ने का सराहनीय कार्य अतुल्य विकास फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है। फाउंडेशन के तत्वावधान में लेगड़ी मोड़ चौराहा, गोपालपुर, जनपद श्रावस्ती में संचालित निःशुल्क पूर्णकालिक कंप्यूटर शिक्षा केंद्र ग्रामीण बच्चों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरा है।

इस केंद्र में वर्तमान समय में लगभग 60 से 80 छात्र–छात्राएं पूरी तरह निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यहां विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं, बल्कि कंप्यूटर का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान हिंदी व अंग्रेजी टाइपिंग, बेसिक कंप्यूटर संचालन, इंटरनेट का उपयोग तथा डिजिटल साक्षरता से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी जाती है। केंद्र प्रबंधक अनिल त्रिपाठी ने बताया कि जब इस केंद्र की शुरुआत हुई थी, तब अधिकांश बच्चों ने कभी कंप्यूटर का उपयोग नहीं किया था। लेकिन आज वही बच्चे आत्मविश्वास के साथ कंप्यूटर पर कार्य कर रहे हैं, हिंदी और अंग्रेजी में टाइपिंग कर रहे हैं तथा इंटरनेट के माध्यम से नई–नई जानकारियां प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों में सीखने का उत्साह लगातार बढ़ रहा है और वे प्रतिदिन नई तकनीकों को सीखने के लिए उत्सुक रहते हैं। यह केंद्र विशेष रूप से उन ग्रामीण बच्चों के लिए लाभदायक साबित हो रहा है, जिन्हें आर्थिक या अन्य कारणों से तकनीकी शिक्षा के अवसर नहीं मिल पाते। स्थानीय लोगों ने भी अतुल्य विकास फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के निःशुल्क शिक्षा केंद्र ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के साथ–साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार कर रहे हैं। ग्रामीण भारत को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में फाउंडेशन का यह प्रयास एक प्रेरणादायक पहल माना जा रहा है

चोपन नगर पंचायत में आयोजित सम्भव दिवस जनसुनवाई में अध्यक्ष उस्मान अली ने सुनीं जनसमस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

चोपन/सोनभद्र। शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से सोमवार को नगर पंचायत चोपन कार्यालय में श्सम्भव दिवसश के अवसर पर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में नगर पंचायत अध्यक्ष उस्मान अली ने स्वयं उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने पेयजल आपूर्ति, साफ–सफाई, नाली निर्माण, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें एवं मांगें रखीं। अध्यक्ष उस्मान अली ने प्रत्येक शिकायत का संज्ञान लेते हुए

संबंधित कर्मचारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पंचायत की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी शिकायत की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को बेझिझक नगर पंचायत के समक्ष रखें, ताकि उनका त्वरित एवं संतोषजनक समाधान कराया जा सके। सम्भव दिवस के दौरान नगर पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे और प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया प्रारंभ कराई गई।

आलोक परिवार का नाम रोषन किया

जौनपुर। जफराबाद थाना अंतर्गत स्थित नाथूपुर गांव में श्री जोखू यादव के पौत्र आलोक यादव उर्फलकी ने प्रथम प्रयास नीट प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर न सिर्फ अपने परिवार का नाम रोशन किया बल्कि क्षेत्र और जनपद का भी नाम गौरवान्वित किया।नाथूपुर गांव निवासी विद्युत विभाग में एस. एस. ओ.पदभार से सेवा निवृत्त जोखू राम यादव के होनहार पौत्र आलोक उर्फ लकी यादव पुत्र संतोष कुमार यादव ने आज फिर एक बार प्रथम प्रयास में नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने आप को दोबारा लकी साबित करते हुए एकतरफ जहां अपने सपनों की ओर अग्रसर हुए वहीं दूसरी तरफ अपने कुल, क्षेत्र और जनपद को गौरवान्वित किया। लकी यादव ने 1865 वी रैंक हासिल किया।

खेसरहा में आरबीएसके टीम ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में 110 छात्रओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा की टीम ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया। शिविर में 110 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। स्वास्थ्य टीम ने छात्राओं के सामान्य स्वास्थ्य, पोषण स्तर, आंख, कान, दांत और त्वचा संबंधी समस्याओं की जांच की। जिन छात्राओं में सामान्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें पाई गईं, उन्हें मौके पर ही दवा उपलब्ध कराई गई, जबकि कुछ छात्राओं को आगे के उपचार एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श के लिए चिन्हित किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण टीम में डॉ. के.पी. यादव, डॉ. निकिता यादव, फार्मासिस्ट सम्राट तथा जीएनएम किरण मिश्रा शामिल रहे। टीम ने छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, एनीमिया से बचाव, नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति भी जागरूक किया। सीएचसी खेसरहा के अधीक्षक डॉ. संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चों में रोगों, कुपोषण और जन्मजात विकारों की समय रहते पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है तथा गंभीर बीमारियों का समय पर इलाज संभव हो पाता है। साथ ही अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन से स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

पचमोहनी में लाखों की लागत से बना अन्नपूर्णा भवन अधूरा, शटर का काम बाकी; ग्रामीणों ने जल्द पूरा कराने की उठाई मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। विकासखंड खेसरहा की ग्राम पंचायत पचमोहनी में लाखों रुपये की लागत से निर्मित अन्नपूर्णा भवन निर्माण के बाद भी पूरी तरह तैयार नहीं हो सका है। भवन में शटर लगाने का कार्य अधूरा होने के कारण संबंधित विभाग को अब तक हैंडओवर नहीं किया गया है। इससे भवन का संचालन शुरू नहीं हो पाया और ग्रामीणों को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि भवन काफी समय पहले तैयार हो जाना चाहिए था, लेकिन अधूरे निर्माण के कारण इसका उपयोग अब तक शुरू नहीं हो सका। उनका आरोप है कि सरकारी धन से बने इस भवन का लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीण हसरत, रामनयन, बंसी और सद्दाम हुसैन ने बताया कि यदि शेष निर्माण कार्य जल्द पूरा कर भवन संबंधित विभाग को सौंप दिया जाए, तो गांव के लोगों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। इस संबंध में ग्राम प्रधान गुलनिशा के प्रतिनिधि हनीफ ने बताया कि अन्नपूर्णा भवन में शटर लगाने का कुछ कार्य अभी बाकी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शेष कार्य पूरा होते ही भवन संबंधित विभाग को हैंडओवर कर दिया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में जनहित की योजनाओं को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन पचमोहनी में अधूरा पड़ा अन्नपूर्णा भवन योजना के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने प्रशासन से निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर भवन का संचालन शुरू कराने की मांग की है।

10 अगस्त को चलेगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान, 1 से 19 वर्ष के बच्चों को खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल की दवा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। 20 जुलाई राष्ट्रीय .मि मुक्ति कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समन्वय एवं अभिमुखीकरण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अभियान के दौरान कोई भी बच्चा एल्बेंडाजोल की दवा खाने से वंचित न रहे। इसके लिए सभी विभाग माइक्रोप्लान तैयार कर प्रभावी ढंग से कार्य करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय .मि मुक्ति कार्यक्रम 10 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। 1 से 2 वर्ष के बच्चों को आधी गोली, 2 से 3 वर्ष तक के बच्चों को एक गोली पीसकर तथा 3 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को एक पूरी गोली दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को किसी कारणवश छूटे हुए बच्चों को 14 अगस्त 2026 को मॉप–अप दिवस पर दवा खिलाई जाएगी। इसी दिन ई–कवच पोर्टल पर ऑनलाइन फीडिंग भी की जाएगी। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, सभी एमओआईसी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वसूली वारंट में फरार चल रहे आरोपी को खेसरहा पुलिस ने दबोचा, न्यायालय भेजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खेसरहा पुलिस ने वसूली वारंट के एक वारंटी को गिरतार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर सख्ती का संदेश गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए माननीय प्रधान न्यायाधीश, गोरखपुर द्वारा जारी वसूली वारंट के अनुपालन में बजरंगी पुत्र अदालती, निवासी ग्राम कैथवलिया, थाना खेसरहा, जनपद सिद्धार्थनगर को गिरतार किया। गिरतारी के बाद आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर माननीय न्यायालय गोरखपुर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अंगद कुमार प्रेमी, कांस्टेबल अखिलेश कुमार तथा कांस्टेबल कमलेश सिंह की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराधियों एवं वारंटियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बूढ़ी राप्ती के बढ़ते जलस्तर ने बढ़ाई चिंता, जोगिया क्षेत्र के करीब तीन दर्जन गांवों पर मंडराया बाढ़ का खतरा

लगातार बढ़ रहा नदी का पानी, मौसम विभाग के अलर्ट के बाद तटवर्ती गांवों के ग्रामीण सतर्क

दैनिक बुद्ध का संदेश रवि जायसवाल

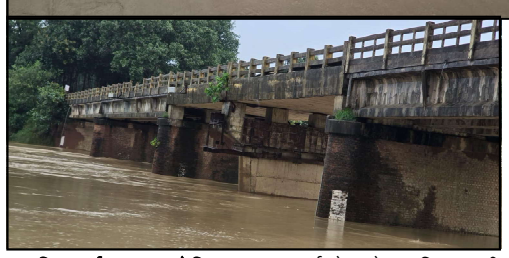

सिद्धार्थनगर/जोगिया। लगातार हो रही बारिश के बीच बूढ़ी राप्ती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। नदी में बढ़ते पानी को देखकर जोगिया ब्लॉक क्षेत्र के तटवर्ती और निचले इलाकों में बसे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग की ओर से भारी बारिश को लेकर जारी अलर्ट ने लोगों की बेचैनी और बढ़ा दी है। ग्रामीण नदी के बदलते रुख और बढ़ते जलस्तर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। बूढ़ी राप्ती के आसपास बसे जोगिया, महुवा, लखनापार, तानजवा, हड़कौली, दोहनी, भुतहिया, बंगरा पटखौली और हरनी बुजुर्ग सहित करीब तीन दर्जन गांवों के लोगों में संभावित बाढ़ को लेकर चिंता का माहौल है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा और नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता रहा तो निचले इलाकों में पानी पहुंचने से मुश्किलें बढ़ सकती हैं। नदी का पानी तेजी से बढ़ने के कारण तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग विशेष रूप से सतर्क हैं। ग्रामीणों की नजर खेत–खलिहानों, संपर्क मार्गों और निचले इलाकों पर टिकी हुई है। जलस्तर में और वृद्धि होने की स्थिति में खेती–किसानी के साथ ग्रामीण आवागमन भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। बारिश और नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए आने वाले समय को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यदि ऊपरी क्षेत्रों में भारी बारिश जारी रहती है तो बूढ़ी राप्ती के जलस्तर में और बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में नदी किनारे बसे गांवों के लोगों की चिंता स्वाभाविक रूप से बढ़ती जा रही है। फिलहाल ग्रामीण हालात पर नजर बनाए हुए हैं और प्रशासन से भी नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में समय रहते आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की उम्मीद कर रहे हैं। बूढ़ी राप्ती का बढ़ता पानी फिलहाल जोगिया क्षेत्र के लोगों के लिए चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है। आने वाले घंटों में नदी का रुख क्या होगा, इस पर तटवर्ती गांवों के ग्रामीणों की निगाहें टिकी हुई हैं।

स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा में सख्त हुए डीएम, घर पर प्रसव रोकने और आयुष्मान कार्ड का लक्ष्य जल्द पूरा करने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला स्वास्थ्य समिति (डी0एच0एस0) एवं स्वास्थ्य विभाग से संबधित योजनाओ की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा समीक्षा के दौरान आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा किया गया। आयुष्मान कार्ड में प्रगति लाकर लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी को क्षेत्र भ्रमण करने हेतु निर्देश दिया। इसके साथ ही साथ आयुष्मान सेन्टर समय से खुले। जिलाधिकारी ने समस्त एमओआईसी को निर्देश दिया कि जो आशा डिलीवरी नहीं करा रही है उन्हें चिन्हित कर नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी एमओआईसी सुनिश्चित कर ले कि डिलीवरी घर पर नहीं होना चाहिए। सभी गर्भवती महिलाओ का प्रसव अस्पताल में ही हो। घर पर प्रसव होने पर एमओआईसी जिम्मेदार होगे। एनबीएसयू को 24 घंटे सक्रिय करें जिससे कोई भी गर्भवती महिला व उसके परिजन सम्पर्क कर सहायता प्राप्त कर सकें। जननी सुरक्षा योजना में फीडिंग कम पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आर0जी0 सिंह का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। सभी एमओआईसी वार रूम का निरीक्षण करें। बीएचएनडी दिवस में कम एचआरपी वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका बेहतर इलाज कराये और सावधानियां बरतने का सलाह दें। बीएचएनडी दिवस में सभी लोग जाये। एएनएम, आशा व सीएचओ को सभी प्रकार किट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बीएचएनडी दिवस में एएनएम व सीएचओ मिलकर

कार्य करें। काम न करने वाले डाक्टर/ सीएचओ/आशा/ एएनएम को नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। टीकाकरण का लक्ष्य पूर्ण करते हुए शत–प्रतिशत डाटा फीडिंग कराने का निर्देश दिया। फीडिंग में सही मोबाइल नम्बर लिखे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए। एएनएम और आशा के साथ बैठक करें। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा अनटाइड फन्ड, परिवार नियोजन, टीकाकरण अभियान, पी0सी0पी0एन0डी0टी0, रोगी कल्याण समिति, हेल्थ वेलनेस सेन्टर, आदि की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी मरीज को परेशान न किया जाये बाहर की दवायें न लिखें। सभी विकास खण्डों में पब्लिक नोटिफिकेशन में लक्षण युक्त टी.बी. के मरीजो को चिन्हित करें। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया कि वार रूम का निरीक्षण करे। इमरजेंसी में रेफरल रजिस्टर में मरीजो का डाटा अंकित करने का निर्देश दिया। इस बैठक में उपरोक्त के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रमोद कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, डैम राजेश मिश्रा, डी0सी0पी0एम0, समस्त सीएचसी/पीएचसी के एम0ओ0आईसी0, बीपीएम, बीसीपीएम, आदि उपस्थित थे।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का भव्य स्वागत, श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का विधानसभा क्षेत्र स्थित .ष्ण गार्डन मैरिज हॉल में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सर्वजन हित पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित श्याम नारायण चौबे, नीरज मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत–महात्मा, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने जयघोष, पुष्पवर्षा, वैदिक विधि–विधान से गौ माता का पूजन तथा चरण वंदन कर जगद्गुरु शंकराचार्य का स्वागत किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा कल्याण परिषद एवं सर्वजन हित पार्टी, सिद्धार्थनगर के जिला अध्यक्ष पंडित सुधीर पांडे श्फरसा बाबाश सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

22 जुलाई को सिद्धार्थनगर में लगेगा एक दिवसीय रोजगार मेला, मारुति सुजुकी कंपनी करेगी भर्ती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला सेवायोजन कार्यालय, सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में 22 जुलाई 2026 को प्रातः 10 बजे जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में एसकेएच हाई–टेक (मारुति सुजुकी) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों की भर्ती की जाएगी। भर्ती के लिए हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। चयन प्रक्रिया साक्षात्कार के माध्यम से होगी तथा अभ्यर्थियों की आयु 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने बायोडाटा, आधार कार्ड तथा एक पासपोर्ट साइज फोटो के साथ रोजगार मेले में निःशुल्क प्रतिभाग कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए किसी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के प्रधान सहायक श्री हरिश्चन्द्र से मोबाइल नंबर 8318338392 एवं 8931064599 पर संपर्क किया जा सकता है

पिछड़ी जाति के युवाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण का अवसर, 31 जुलाई तक करें अश्वनलाइन आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, सिद्धार्थनगर द्वारा पिछड़ी जाति के व्यक्तियों के लिए वित्तीय वर्ष 2026–27 में निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। योजना के तहत पुरुष अभ्यर्थियों को मोटर साइकिल रिपेयरिंग तथा महिला अभ्यर्थियों को सिलाई ड्रेड में चार माह का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए 18 से 45 वर्ष आयु के ऐसे अभ्यर्थी पात्र होंगे, जो न्यूनतम कक्षा 8 उत्तीर्ण हों तथा जनपद सिद्धार्थनगर के निवासी हों।

इच्छुक अभ्यर्थी उद्योग विभाग के ई–पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 शाम 5 बजे निर्धारित की गई है। आवेदन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या समस्या के समाधान के लिए अभ्यर्थी जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, सिद्धार्थनगर में कार्यदिवसों पर प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। जिला उद्योग विभाग ने पात्र युवाओं से समय रहते आवेदन कर इस निःशुल्क प्रशिक्षण योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

दीवानी न्यायालय परिसर की दुकानों व वाहन स्टैंड की 28 जुलाई को होगी नीलामी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। माननीय जनपद न्यायाधीश के आदेशानुसार दीवानी न्यायालय सिद्धार्थनगर के मुख्यालय परिसर में स्थित कैन्टीन, फोटो कॉपी एवं फोटोग्राफी की दुकान संख्या–01, जनरल स्टोर एवं बेकरी, पान की दुकान तथा वाहन स्टैंड के संचालन हेतु नीलामी 28 जुलाई 2026 को अपराह्न 1रू30 बजे जनपद न्यायालय के सभागार में आयोजित की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नियमानुसार नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। यह जानकारी नीलामी समिति के अध्यक्ष एवं विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) जनपद न्यायालय सिद्धार्थनगर श्री त्रिभुवन नाथ ने दी।

रेहरा में बारिश से संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त, आवागमन ठप ग्रामीणों ने की मरम्मत की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। विकास खंड बांसी की ग्राम पंचायत रेहरा में लगातार बारिश से गांव का मुख्य संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। हारिल के घर से स्वर्गीय चंद्रशेखर के खेत तक जाने वाले कच्चे मार्ग पर जगह–जगह गहरे गड्ढे और कीचड़ होने से किसानों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि हल्की बारिश में भी यह मार्ग दलदल में तब्दील हो जाता है, जिससे खेतों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। क्षेत्र पंचायत सदस्य अमरनाथ यादव ने बताया कि उन्होंने ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए खंड विकास अधिकारी को पत्र देकर मार्ग की मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वह अपने स्तर से भी रास्ते की मरम्मत कराने का प्रयास करेंगे, ताकि लोगों को राहत मिल सके। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पंचायत विभाग से बरसात के दौरान आवागमन सुगम बनाने के लिए मार्ग का खड़ंजा या रोड़ीकरण कराने की मांग की है।

सम्पादकीय

गाड़ी मालिकों को भी स्वेच्छा से इसमें शामिल करने के लिये प्रोत्साहित करना होगा। तमाम परिवारों के लिये, पुरानी गाड़ी सिर्फ घटती कीमत वाली संपत्ति नहीं है, बल्कि रोजी–रोटी का जरिया भी होती है। जब तक उन्हें उचित मुआवजा,आसान प्रक्रियाएं और अधि□त स्क्रैपिंग सेंटर्स तक सुविधाजनक पहुंच नहीं मिलेगी, तब तक कई लोग अनौपचारिक सेक्टर पर ही निर्भर रहेंगे। ऐसे में ...

पुराने वाहनों के निस्तारण हेतु भरोसा जरूरी

हरियाणा में पुराने वाहनों को चलन से बाहर करने के लिये सरकार ने जिन प्रोत्साहन स्कीमों की घोषणआ की है, वह समय की जरूरत है। हरियाणा सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से गाड़ियों को स्क्रैप करने के लिये पांच प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करने का फैसला किया है। जो पुरानी गाड़ियों को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं। दरअसल, पुरानी हो चुकी गाड़ियों को सिर्फ कबाड़ नहीं माना जाना चाहिए, यदि उनका कायदे से निस्तारण हो तो आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण की रक्षा भी की जा सकती है। कुछ लोग अपने वाहन की देखभाल इतने कायदे से करते हैं कि उसे कबाड़ कहना, उनकी भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। दरअसल, अब राज्य सरकार की नई पॉलिसी इन वाहनों को कबाड़ मानने के बजाय, उन्हें रीसाइकिल होने वाले मेटीरियल, ग्रीन जॉब्स प्रदाता और साफ हवा के स्रोत के रूप में दर्शाती है। निस्संदेह,यह कदम अर्थव्यवस्था में योगदान की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत में 3.4 करोड़ से अधिक पुराने वाहन हैं। जिनमें दो करोड़ दो पहिया और 1.2 करोड़ चार–पहिया वाहन शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में वाहन अभी सड़कों में चलाए जा रहे हैं। दरअसल, पुरानी गाड़ियां नये मॉडल की तुलना में काफी अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड छोड़ती हैं। जिससे एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है, वहीं लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। दरअसल, वैज्ञानिक स्क्रैपिंग से कीमती स्टील, एल्युमीनियम, तांबा और प्लास्टिक को दोबारा से हासिल किया जा सकता है। जिससे नये कच्चे माल पर निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही उत्पादन में ऊर्जा की खपत भी घटती है। दरअसल, हरियाणा सरकार की प्रोत्साहन योजनाएं – कैपिटल सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी की वापसी,एसजीएसटी रिफंड, ब्याज में मदद और स्किल डेवलपमेंट– अधिकृत स्क्रैपिंग और रीसाइक्लिंग सुविधाओं में निवेश को आकर्षित करने के लिये बनायी गई है। लेकिन इस पॉलिसी की सफलता सिर्फ इंडस्ट्री की भागीदारी पर ही निर्भर नहीं करेगी। गाड़ी मालिकों को भी स्वेच्छा से इसमें शामिल करने के लिये प्रोत्साहित करना होगा। तमाम परिवारों के लिये, पुरानी गाड़ी सिर्फ घटती कीमत वाली संपत्ति नहीं है, बल्कि रोजी–रोटी का जरिया भी होती है।

जब तक उन्हें उचित मुआवजा,आसान प्रक्रियाएं और अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर्स तक सुविध ाजनक पहुंच नहीं मिलेगी, तब तक कई लोग अनौपचारिक सेक्टर पर ही निर्भर रहेंगे। ऐसे में गैर–कानूनी तौर पर गाड़ियों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। वहीं लोगों को जागरूक बनाने और स्वेच्छा से स्क्रैपिंग के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सिर्फ नियम बनाने से हवा को साफ नहीं किया जा सकता। इसके लिये ऐसी नीतियां बनें, जो आर्थिक रूप से व्यावहारिक,पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक रूप से निष्पक्ष हों। यदि हरियाणा सरकार की पहल लक्ष्यों के बीच संतुलन बना पाती है तो यह टिकाऊ गतिशीलता के लिये एक राष्ट्रीय मॉडल बन सकता है। फिर बीते कल की गाड़ियां आने वाले कल के लिये संसाधन बन सकती हैं।

कजरी : लोकगीतों की रानी

बारिश की फुहारों के साथ ही चारों तरफ उल्लास छा जाता है। जहां प्रकृति नित नये रंग बदलती है वहीं पेड़–पौधे, जीव–जन्तु, धरा सभी की रंगत देखते ही बनती है। प्रकृति के साथ ही हर कोई झूम उठता है। इस मौसम में कजरी के बोल भला किसे प्रिय नहीं होंगे। लेकिन गांव के बगीचे में पेंग मारकर झूले झूलती महिलाएं और ऐसे ही अनेक नजारे किसे नहीं आकर्षित करते। 'लोकगीतों की रानी' कजरी सिर्फ गायन भर नहीं है बल्कि यह सावन मौसम की सुन्दरता और उल्लास का उत्सवधर्मी पर्व है। भादों मास पिया मोर नहीं आये। रतिया देखी सवनवा ना। यही नहीं, जिसके पति सेना में या बाहर परदेस में नौकरी करते हैं, घर लौटने पर उनके सांवले पड़े चेहरे को देखकर पत्नियां कजरी के बोलों में गाती हैंकृगौर–गौर गइले पिया, आयो हुईका करिया, नौकरिया पिया छोड़ दे ना। एक मान्यता के अनुसार पति विरह में पत्नियां देवी 'कजमल' के चरणों में रोते हुए गाती हैं, वही गान कजरी के रूप में प्रसिद्ध हैकृसावन हे सखी सगरो सुहावन। रिमझिम बरसेला मेघ हे, सबके बलमउवा घर अइलन, हमरो बलम परदेस रे। शास्त्रीय व उपशास्त्रीय बंदिशों से रची कजरी अभी भी उत्तर प्रदेश के कुछ अंचलों की खास लोक संगीत विधा है। विंध्य क्षेत्र में गायी जाने वाली मिर्जापुरी कजरी की अपनी अलग पहचान है। अपनी अनूठी सांस्कृतिक परम्पराओं के कारण मशहूर मिर्जापुरी कजरी को ही ज्यादातर मंचीय गायक गाना पसन्द करते हैं। इसमें सखी–सहेलियों, भाभी–ननद के आपसी रिश्तों की मिठास और छेड़छाड़ के साथ सावन की मस्ती का रंग घुला होता है। विंध्य क्षेत्र में पारम्परिक कजरी ध ुनों में झूला झूलती और सावन भादो मास में रात में चौपालों में जाकर स्त्रियां उत्सव मनाती हैं। इस कजरी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पीढ़ी दर पीढ़ी चलती हैं और इसकी धुनों व पद्धति को नहीं बदला। ऐसा नहीं है कि कजरी सिर्फ बनारस, मिर्जापुर और गोरखपुर के अंचलों तक ही सीमित है बल्कि इलाहाबाद और अवध अंचल भी इसकी सुमधुरता से अछूते नहीं हैं। कजरी सिर्फ गाई नहीं जाती बल्कि खेली भी जाती है। इसकी सर्वाधिक विशिष्ट शैली 'ध ुनमुनिया' है, जिसमें महिलाएं झुककर एक–दूसरे से जुड़ी हुई अर्धवृत्त में नृत्य करती हैं। कजरी हमारी जनचेतना की परिचायक है और जब तक धरती पर हरियाली रहेगी कजरी जीवित रहेगी।

दिल और दिमाग के संतुलन से हासिल कामयाबी

वहीं जब दोनों का संतुलन बन जाता है, तो कार्य अधिक सुंदरता और सफलता के साथ पूर्ण होता है। जापानी दर्शन कोकोरो का यह संगम व्यक्ति को एक संतुलित इंसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि कोई व्यक्ति केवल मस्तिष्क से ही सोचेगा, तो वह अत्यधिक स्वार्थी बन सकता है। वहीं यदि वह केवल दिल से सोचेगा, तो बहकावे में आ सकता है और ठोस निर्णय नहीं ले पाएगा। दिल और दिमाग दोनों की ...

यदि कोई व्यक्ति केवल मस्तिष्क से ही सोचेगा, तो वह स्वार्थी बन सकता है। वहीं यदि वह केवल दिल से सोचेगा, तो बहकावे में आ सकता है और ठोस निर्णय नहीं ले पाएगा। दिल और दिमाग–दोनों की सूझबूझ से चलने वाला व्यक्ति नए रास्ते व पहचान बनाता है। प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में हृदय और मस्तिष्क का निवास होता है। दोनों पर साहित्यकारों एवं कवियों ने दुनियाभर में असंख्य नज्में और रचनाएं लिखी हैं। दिल दर्पण–सा नाजुक होता है, जो टूटकर बिखर जाता है और उसकी किरचें पूरे मन में धंस जाती हैं। वहीं मस्तिष्क को दिल का घुड़सवार माना जाता है। अक्सर लोग कहते हैं कि जो व्यक्ति मस्तिष्क के बल पर चलता है, वह दिल को काबू में रखना जानता है। वहीं जो लोग दिल को प्राथमिकता देते हैं, वे कई बार जीवन के कठिन रास्तों पर डगमगा जाते हैं। मगर जापानी दर्शन में कोकोरो कहता है कि, 'सोच और भावनाएं एक साथ जन्म लेती हैं।' कोकोरो दिल और दिमाग दोनों को एक मानता है। विचारकों का भी इस विषय में अलग–अलग मत है। फ्रांसीसी दार्शनिक रेने डेकार्ट मस्तिष्क को सत्य तक पहुंचने का एकमात्र साधन मानते हैं, वहीं फ्रांसीसी दार्शनिक ब्लेज पास्कल का कहना है कि, 'दिल के पास अपने ऐसे तर्क होते हैं जिन्हें दिमाग कभी नहीं समझ सकता।' इस दर्शन की जड़ें जापान के दो प्रमुख दर्शनों से जुड़ी हुई हैं। इनमें एक है शिंतो दर्शन और दूसरा जेन दर्शन। शिंतो दर्शन का मानना है कि

'प्रकृति की प्रत्येक वस्तु में एक जीवंत ऊर्जा विद्यमान है। मनुष्य का कोकोरो अर्थात् दिल और दिमाग भी उसी ब्रह्मांडीय ऊर्जा का हिस्सा है, जो बुद्धि और भावकृदोनों से समृद्ध है।' जेन दर्शन में 'शिन' का अर्थ हैकृमूल स्वभाव। यह सिखाता है कि सत्य को केवल तर्क या केवल दिल से नहीं समझा जा सकता। सत्य का बोध तभी होता है, जब दोनों एक होकर शांत हो जाते हैं। जीवन में भी अनेक ऐसे लोग होते हैं, जो दिल और दिमाग दोनों का संतुलित उपयोग करते हुए सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करते हैं और कोकोरो की अवधारणा को सही सिद्ध करते हैं। पंजाब के 25 वर्षीय गुरिंदरवीर सिंह ने यही साबित किया है। उन्होंने 23 मई, 2026 को एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता की पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 10.09 सेकंड में पूरी कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। गुरिंदरवीर सिंह का कहना है, 'लोग कहते थे कि भारतीयों के पास 100 मीटर दौड़ के लिए उपयुक्त जीन नहीं हैं। मैं सबको गलत साबित करना चाहता था। भारतीयों के जीन बहुत मजबूत हैं और यह तो सिर्फ शुरुआत है।' 25 वर्षीय गुरिंदरवीर सिंह जापान के फुकुतो कोमुरो के समय से केवल 0.01 सेकंड पीछे रहे। फुकुतो कोमुरो का सर्वश्रेष्ठ समय 10.08 सेकंड है। सीनियर फेडरेशन कप में गुरिंदरवीर ने अपने चिर–प्रतिद्वंद्वी अनिमेष कुजूर को पीछे छोड़ दिया। इस प्रतियोगिता में पंजाब के गुरिंदरवीर और ओडिशा के अनिमेष के बीच अत्यंत रोचक मुकाबला देखने को मिला। अनिमेष अपने पिछले वर्ष बनाए गए 10.18 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ प्रतियोगिता के प्रबल दावेदार थे। गुरिंदरवीर ने शुरुआती सेमीफाइनल हीट में इसे 10.17 सेकंड तक पहुंचा दिया। लेकिन केवल पांच मिनट बाद 22 वर्षीय अनिमेष ने दूसरे सेमीफाइनल हीट में 10.15 सेकंड का समय निकालकर रिकॉर्ड फिर अपने नाम कर लिया। इसके बाद फाइनल में गुरिंदरवीर ने 10.09 सेकंड का समय निकालते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और चारों ओर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया। गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष दोनों अच्छे मित्र भी हैं। उनकी मित्रता में दिल और दिमागकृदोनों में से कौन अधिक प्रभावी रहता है? इस प्रश्न पर गुरिंदरवीर सिंह मुस्कराते हुए कहते हैं, 'दिल और दिमाग दोनों का तालमेल बराबर काम करता है। तर्क, सोच और भावनाएं एक साथ ही शरीर में उमड़–घुमड़ रही होती हैं। ऐसे में यदि उनमें संतुलन न बनाया जाए तो बहुत–सी चीजें बिखर जाती हैं।' इस दौड़ में उनके दिल और दिमाग के सामंजस्य ने ही उन्हें अपने मित्र का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए प्रेरित किया। जापानी सोच के अनुसार विचार और भावनाएं अलग–अलग नहीं रह सकते। तार्किक निर्णय लेते समय भी भावनाएं साथ जुड़ी रहती हैं। कई बार जब भावनाएं या विचार एक–दूसरे पर हावी होने लगते हैं, तो कुछ–न–कुछ अवश्य टूटता है। वहीं जब दोनों का संतुलन बन जाता है, तो कार्य अधिक सुंदरता और सफलता के साथ पूर्ण होता है। जापानी दर्शन कोकोरो का यह संगम व्यक्ति को एक संतुलित इंसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि कोई व्यक्ति केवल मस्तिष्क से ही सोचेगा, तो वह अत्यधिक स्वार्थी बन सकता है। वहीं यदि वह केवल दिल से सोचेगा, तो बहकावे में आ सकता है और ठोस निर्णय नहीं ले पाएगा। दिल और दिमागकृदोनों की सूझबूझ से चलने वाला व्यक्ति न केवल नए रास्ते बनाता है, बल्कि अपनी एक अलग पहचान भी स्थापित करता है।

{ शायद अब समय आ गया है कि आप अपनी पसंदीदा किताब श्जूलियस सीजरश को फिर से पढ़ें। बंगाल में, तृणमूल कांग्रेस नेता मदन मित्रा– जिन्होंने कभी ममता बनर्जी के प्रति वफादारी की कसम खाई थी और टीएमसी से अलग हुए गुट के नेता रिताब्रत बनर्जी को ऐसी गालियां दी थीं जिन्हें सुनकर शरम आ जाए–उन्होंने इसके एक दिन बाद ही पाला बदल लिया और रिताब्रत बनर्जी के साथ चले गए... }

सोनम वांगचुक के आंदोलन की अनदेखी का प्रश्न

निस्संदेह नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी की जिम्मेदारी तय करने व कार्रवाई को लेकर सोनम वांगचुक के आमरण अनशन पर अलग–अलग राय हो सकती है। एक तरफ उनकी सेहत पर चिंता जताती याचिका व विपक्ष की सलाह। दूसरी ओर राजनीतिक चुप्पी। वहीं अनुच्छेद 370, परिसीमन और महिला आरक्षण जैसे मुद्दों पर दलों के भीतर मतभेद जारी हैं। संसद का परिदृश्य जोड़तोड़ से बदल रहा है, जबकि वांगचुक का संघर्ष नजरअंदाज सा है। दिल्ली के बीचों–बीच जंतर–मंतर से बस थोड़ी ही दूर, जहां सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर बैठे थे, भारत की संसद है जो जल्द ही शुरू होने वाले मॉनसून सत्र की तैयारी कर रही थी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर वांगचुक का अनशन 21वें दिन में प्रवेश कर गया था। उसके दो दिन पहले एक जनहित याचिकाकर्ता ने कहा था कि अगर उन्हें जल्द ही कुछ खाने को नहीं मिला, तो उनका जीवन संकट में पड़ सकता है। एक मेडिकल टीम वहां मौजूद रही और विपक्ष के कई नेता सोनम से हड़ताल खत्म करने को कह रहे थे य उनका कहना था कि उन्होंने अपनी बात रख दी है, लेकिन दिल्ली के दिल में भारी सन्नाटा पसरा रहा। क्या सोनम वांगचुक को उनके हालात पर छोड़ दिया जाना चाहिये? आखिरकार, किसी ने उनसे धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए आमरण अनशन करने के लिए नहीं कहा। कुछ लोग कहेंगे कि इस हड़ताल में दबाव बनाने की नीति जैसा कुछ है, तो कुछ इसे ताकतवर लोगों की दुनिया में जनता की निराशा की पुकार मानेंगे। निश्चित रूप से, वांगचुक और उनके साथियों का मानना है कि नीट परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी के लिए किसी को तो जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, वे गड़बड़ियां जिन्हें टाला जा सकता था और जिसने लाखों छात्रों को प्रभावित किया है। कुछ लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए–वरना इतने हंगामे और गुस्से का क्या मतलब था अगर इसका कोई

नतीजा नहीं निकलने वाला?

जंतर–मंतर पर वांगचुक के धरना स्थल (अब पुलिस हिरासत में अस्पताल में उपचाराध ीन) के पास ही, मॉनसून सत्र की शुरुआत वाले दिन जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला केंद्र सरकार द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने से इनकार करने के विरोध में एक दिन का प्रदर्शन करने की योजना बना रहे थे। हालांकि उमर को तब तक प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं मिली थी। इतना ही नहीं,श्रीनगर से उनकी पार्टी के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने उमर पर अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए लड़ने के अपने वादे से पीछे हटने का आरोप लगाया। मेहदी गरजते हुए कहते हैं कि कश्मीर के लिए विशेष दर्जा, पूर्ण राज्य के दर्जे से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। इल्जाम मौसम को दिया जा सकता है, गर्मी इतनी है कि तल्खियां बढ़ी हुई हैं, खासकर जब बारिश नहीं हो। शायद देवता नाराज हैं। फिर, अयोध्या में भी चोरी की घटना हुई है।

तो क्या मेहदी की नाराजगी यह संकेत देती है कि वे उमर से इतने नाराज हैं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में भी दो फाड़ हो सकता है? या हो सकता है कि मेहदी सही समय का इंतजार कर रहे हों और वंशवाद का पासा पलटने की उम्मीद पाले हैं। या फिर वे नेशनल कॉन्फ्रेंस में ही बने रहें, लेकिन जब भी भाजपा परिसीमन बिल लाने की योजना बनाए, तो उसके पक्ष में मतदान करें। इस बिल का मकसद विस्तारित संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा तय करना है– और यह समझने में कोई गलती न रहे कि इस बिल का मकसद चुनाव क्षेत्रों का नए सिरे से गठन करना है, जिससे भारत में मतदान का तरीका बदलेगा और लोकसभा की संरचना में भी बुनियादी बदलाव आएगा।

संविधान में इतना बड़ा बदलाव करने के लिए, संविधान को सरसरी तौर पर पढ़कर भी आप समझ सकते हैं, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को दो–तिहाई बहुमत की जरूरत है– यानी निचले सदन की 543 सीटों में से 360 सीटें, जबकि अभी उनके पास 293 सीटें हैं। अगर वे उस बिल को दोबारा लाना चाहते हैं जो पिछले ही अप्रैल में सदन में गिर गया था, तो उन्हें 67 और सांसदों का साथ चाहिए होगा। और जैसा कि महान चाणक्य ने कहा था, प्यार, जंग और राजनीति में सब कुछ जायज है। इसीलिए टीएमसी की टूटन उनके काम आ रही है –28 में से 20 सांसदों ने एक निर्दलीय पार्टी बना ली है जो बाहर से भाजपा का समर्थन करेगीयसाथ ही शिवसेना (यूबीटी) का भी बुरा हाल है, जहां नौ में से छह सांसद पार्टी छोड़कर शिवसेना के ही भाजपा–समर्थक एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए हैंय वहीं शरद पवार की एनसीपी में भी यह डर बना हुआ है कि अगर उन्हों ने परिसीमन बिल के पक्ष में वोट नहीं दिया तो पार्टी खत्म हो जाएगी।

इस तरह, भले ही मॉनसून के बादल नहीं बरसे, लेकिन 18वीं लोकसभा की फिजा काफी हद तक बदल चुकी है। जब मॉनसून सत्र शुरू होगा, तो यह उस लोकसभा से बिल्कुल अलग दिखेगी जिसे दो साल पहले हम लोगों ने चुना था, और यह सब बिना किसी चुनाव के हो गया। कुछ राज्यों में,मसलन, जम्मू–कश्मीर में, स्थिति आसान है। राज्य की कुल संसदीय 5 सीटों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के पास सिर्फ 2 सीटें हैं– 2 सीटें भाजपा के पास हैं और एक सीट बारामूला के इंजीनियर राशिद के पास है, जो निर्दलीय सांसद हैं। अगर मेहदी हाथ मिलाने को राजी हो जाएं और इंजीनियर राशिद को मनाया जा सके–क्योंकि 21वीं सदी में कौन नहीं लैंगिक समानता के पक्ष में होना चाहेगा? ध्यान रहे कि दिल्ली हाईकोर्ट ने राशिद को संसद में शामिल होने की इजाजत चंद दिन पहले ही दी है।

100 प्रतिशत स्वदेशी, राजस्थान बनेगा न्यूक्लियर हब, 28,000 करोड़ का टेंडर जारी

क्या आपने कभी सोचा है कि एक अकेला फैसला पूरी दुनिया के पावर सेक्टर की तस्वीर बदल सकता है? आज भारत ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया जिसने पश्चिमी देशों से लेकर हमारे पड़ोसियों तक खासतौर से चीन सबके होश उड़ा दिए हैं। यह खबर किसी मामूली टेंडर की नहीं है। यह खबर है भारत के इतिहास के सबसे बड़े सबसे डेरिंग और सबसे विशाल न्यूक्लियर प्रोजेक्ट की। भारत सरकार ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा न्यूक्लियर ईपीसी टेंडर ल्च कर दिया है। 2800 मेगावाट का यह प्रोजेक्ट राजस्थान के माही बांसवाड़ा में लगने जा रहा है। लेकिन यह सिर्फ पैसों या बिजली की बात नहीं है। यह भारत की न्यूक्लियर संप्रभुता की कहानी है। राजस्थान का दक्षिणी हिस्सा बांसवाड़ा जिला यहां माही नदी के किनारे भारत अपना सबसे महत्वाकांक्षी परमाणु बांसवाड़ा प्रोजेक्ट बना रहा है। अब यह प्रोजेक्ट क्यों खास है? यह जान लीजिए। इसकी कुल क्षमता 2800 मेगावाट है। रिएक्टर्स की बात करें तो इसमें 700 से 700 मेगावाट के चार बड़े रिएक्टर्स लगाए जाएंगे। लागत 28000 करोड़ से भी ज्यादा का टेंडर है। यह भारत के परमाणु इतिहास का अब तक का ऊर्जा केंद्र स्थापित कर रहा है। इस प्रोजेक्ट की ताकत को समझिए। राजस्थान का माही सबसे बड़ा कंस्ट्रक्शन पैकेज है। भारतीयनौसेना जानकारी

आज तक भारत ने कभी भी एक साथ इतने बड़े स्तर पर टेंडर जारी नहीं किया है। यह दिखाता है कि भारत अब धीमी गति वाले मोड़ से निकलकर फास्ट फॉरवर्ड मोड में आ गया है। अनुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड का ये जॉइंट वेंचर है भारत की दो दिग्गज कंपनियों के बीच एनपीसीआईएल न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया जिनके पास न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी की दशकों की महारत है। एनटीपीसी लिमिटेड जो बड़े प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने और उन्हें मैनेज करने

में भारत के बेताज बादशाह हैं। इसमें एनपीसीआईएल की मेजॉरिटी हिस्सेदारी है और 49: एनटीपीसी के पास है। सरकार ने इन दोनों को इसलिए साथ लाया ताकि तकनीक और एग्जीक्यूशन का ऐसा मेल बने कि प्रोजेक्ट समय से पहले पूरा हो सके। इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी और सबसे गर्व वाली बात जानते हैं क्या? वो यह है कि इनके चारों रिएक्टर्स इंडीजीनियस बिल्ड यानी कि पूरी तरह स्वदेशी होंगे। भारत ने रूस, अमेरिका या फ्रांस के सामने हाथ नहीं फैलाया। भारत अब अपनी खुद की तकनीक का इस्तेमाल करेगा जिसे पीएच डब्ल्यूआर कहा जाता है। यह वही तकनीक है जिसे भारत ने गुजरात के काकरा पार और राजस्थान के रावत भाटा में टेस्ट किया और सफल भी पाया। अब भारत इसे फ्लीट मोड में इस्तेमाल कर रहा है। मतलब एक ही डिजाइन, एक ही सप्लायर और मास प्रोडक्शन। इससे समय बचता है, लागत कम होती है और यह प्रोजेक्ट एक और वजह से डेरिंग है। पहली बार भारत इतने बड़े स्केल पर प्राइवेट प्लेयर्स को न्यूक्लियर सेक्टर में इनवाइट कर रहा है। अडानी ग्रुप से लेकर वेदता तक भारत के बड़े उद्योगपति अब देश की न्यूक्लियर एनर्जी निवेश करने के लिए कतार में हैं। अभी तक परमाणु ऊर्जा सिर्फ सरकारी नियंत्रण में थी। लेकिन अब सरकार को समझ में आ गया है कि अगर 100 गीगावाट का लक्ष्य पाना है तो प्राइवेट सेक्टर की पूंजी और उनकी तेज गति की जरूरत पड़ेगी। भारत के इरादे साफ हैं। पिछले एक साल में भारत ने जो कदम उठाए हैं, वह किसी मास्टर प्लान से कम नहीं है। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम डील से ईंधन की चिंता यहां पर खत्म हो जाती है। दूसरा दूसरा स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर यानी एसएमआर जो तारापुर और वाईजेक में छोटे रिएक्टर्स की तैयारी कर रहा है। तीसरा है नीति में बदलाव। दशकों लगने वाले काम को अब सालों में समेटा जा रहा है। चीन ने अपनी न्यूक्लियर एनर्जी को जिस तरह से बूस्ट किया है, भारत भी अब उसी रास्ते पर है, लेकिन अपनी स्वदेशी तकनीक के दम पर भारत आगे बढ़ रहा है। यह प्रोजेक्ट सिर्फ बिजली पैदा नहीं करेगा। यह लाखों नौकरियां पैदा करेगा और राजस्थान की इकॉनमी को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। खैर माही बांसवाड़ा का यह प्रोजेक्ट सिर्फ सीमेंट और कंक्रीट का ढांचा नहीं है।

क्या है भारत का व्हाइट रैबिट? अमेरिका के जीपीएस की कर देगा पूरी तरह से छुट्टी!

आज अगर अमेरिका अपने जीपीएस सिस्टम को बंद कर दे तो भारत के बैंक रुक सकते हैं। हमारा स्टॉक मार्केट क्रैश हो सकता है और यहां तक कि हमारा पावर ग्रिड भी ठप हो सकता है। सिर्फ एक छोटे से टाइम सिग्नल की वजह से। लेकिन अब भारत ने पश्चिम की इस गुलामी को जड़ से उखाड़ फेंकने का फैसला कर लिया है। आजादी के बाद भारत के टाइम इंफ्रास्ट्रक्चर में अब सबसे बड़ा और सबसे क्रांतिकारी बदलाव होने जा रहा है। भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर व्हाइट रैबिट टेक्नोलॉजी को तैनात कर दिया है। यह कोई मामूली अपडेट नहीं है। यह भारत की डिजिटल संप्रभुता की घोषणा है। दरअसल हम सबको लगता है कि समय देखने के लिए सिर्फ एक घड़ी काफी है। लेकिन एक देश के लिए समय सिर्फ घंटे और मिनट नहीं होता है। यह डाटा होता है। अब तक भारत समेत दुनिया के अधिकांश देश सटीक समय के लिए अमेरिका के जीपीएस, रूस के ग्लोनस या यूरोप के गैलीलियो सेटेलाइट पर निर्भर थे। हमारे बैंक, टेलीकॉम सेक्टर्स और

डिफेंस सिस्टम इन्हीं विदेशी सेटेलाइट से टाइम सिंक करते थे। लेकिन यहां पर एक बड़ा खतरा है द किल स्विच। सोचिए अगर किसी युद्ध की स्थिति में रणनीतिक तनाव के दौरान कोई देश इन सिग्नलों को जाम कर दे या हमें गलत समय भेजना शुरू कर दे जिसे टेक्निकल भाषा में स्पूफिंग कहते हैं तो इसके कई सारे असर होंगे। मशीनलर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

पहला बैंकिंग पे करोड़ों ट्रांजैक्शंस एक साथ फेल हो जाएंगे क्योंकि टाइम स्टैंप मैच ही नहीं करेगा। उसके बाद स्टॉक मार्केट क्रैश हो जाएगा। मिली सेकंड्स की देरी से अरबों का नुकसान पहुंचेगा और वहीं तीसरा पावर ग्रिड यानी कि बिजली की सप्लाई ठप हो सकती है। इसलिए भारत ने अब वन नेशन वन टाइम के मंत्र के साथ अपनी आत्मनिर्भरता की नींव रखी है। अब सवाल आता है कि आखिर भारत का यह व्हाइट रैबिट टेक्नोलॉजी क्या है। इसका नाम अलायंस इन द वंडरलैंड के उस खरगोश पर रखा गया है जो हमेशा अपनी जेब घड़ी देखता रहता है और समय के लिए पागल था। यह तकनीक मूल रूप से स्विट्जरलैंड की प्रसिद्ध लैब सेरेन में विकसित की गई थी। वही जगह जहां पर गॉड पार्टिकल की खोज हुई थी। सामान्य जीपीएस आधारित टाइमिंग की सटीकता लगभग 10 नैनो सेकंड होती है। सुनने में यह बहुत कम लगता है। लेकिन भविष्य की टेक्नोलॉजी के लिए यह काफी नहीं है। वहीं भारत की यह नई टेक्नोलॉजी यानी कि नई वाइट रैबिट टेक 1 नैनो सेकंड से भी कम की सटीकता देती है। यानी कि यह जीपीएस से भी 10 गुना ज्यादा सटीक है। भारत ने इसी ओपन सोर्स तकनीक को लिया है और उसे अपनी जरूरतों के हिसाब से मॉडिफाई किया है और अब इसे नेशनल लेवल पर तैनात कर दिया गया है। इस पूरे मिशन का केंद्र और नई दिल्ली में स्थित सीएसआईआर नेशनल फिजिकल लैबोरेटरी एनपीएल यहां भारत की एटॉमिक क्लॉक्स रखी हैं जो भारत का आधिकारिक समय तय करती हैं।

अब तक चुनौती यह थी कि इस सटीक समय को पूरे देश में बिना किसी देरी के कैसे पहुंचाया जाए। यही काम अब वाइट रैबिट टेक और ठैछस् का फाइबर नेटवर्क करेगा। और यह काम कैसे करेगा? फाइबर ऑप्टिक्स की मदद से अब सेटेलाइट से नहीं बल्कि जमीन के नीचे बिछे हुए सुरक्षित फाइबर केबल्स के जरिए यह ट्रैवल करेगा। इन्हीं फाइबर केबल्स के जरिए इंटरनेट भी ट्रैवल करता है। यानी कि नो जैमिंग क्योंकि जब फिजिकल केबल पर है तो इसमें किसी भी विदेशी ताकत या स्पेस से जैम करने का हैक करने का सवाल नहीं है। हालांकि इसके डैमेज का खतरा हो सकता है लेकिन अगर उसे भी फुल प्रूफ कर दिया जाए तो कोई खतरा नहीं। इसके बाद सिंक्रोनाइजेशन, बेंगलुरु, चेन्नई और अन्य शहरों की लैब अब सीधे दिल्ली से जुड़ जाएंगे। इस पूरे मामले पर केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने भी जब बेंगलुरु में इसका उद्घाटन किया तो यही संदेश था कि भारत अब डिजिटल गुलाम नहीं रहेगा। इस प्रोजेक्ट में इसरो, ठैछस्, सेबी, एनएससी और कई बड़ी संस्थाएं शामिल है। जब हमारा अपना नेशनल स्टॉक एक्सचेंज इस स्वदेशी टाइमिंग सिस्टम पर चलेगा तो हम ग्लोबल साइबर हमलों से सुरक्षित रहेंगे। यह मेक इन इंडिया का सबसे बड़ा उदाहरण है।

फीफा वर्ल्ड कप हार के बाद मेसी के छलके आँसू, **AFA** बोला: कप्तान, आपके आँसू हमारे आँसू हैं

अर्जेंटीना के फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में स्पेन से हारने के बाद लियोनेल मेसी का दिल टूट गयाय मैच खत्म होने की सीटी बजते ही यह अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी रो पड़ा। बाद में अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने अपने कप्तान को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और नेशनल टीम के लिए उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। न्यू यॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम में थ्थ्। वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में, स्पेन ने एक्स्ट्रा टाइम के बाद श्ला एल्बिसेलेस्ते (अर्जेंटीना) को 1–0 से हरा दिया, जिससे अर्जेंटीना के थ्थ्। वर्ल्ड कप का खिताब बचाने का लियोनेल मेसी का सपना दुखद तरीके से टूट गया।

हालांकि सब्स्टीट्यूट फेरान टोरेस ने 106वें मिनट में मैच जिताने वाला गोल करके स्पेन को उनका दूसरा वर्ल्ड कप खिताब दिलाया, लेकिन फाइनल सीटी बजने के बाद मेसी से जुड़े भावुक पल उस रात के सबसे यादगार पलों में से एक बन गए। रनर–अप मेडल लेने के बाद, मेसी अर्जेंटीना के समर्थकों वाले हिस्से की ओर बढ़े और फिर भावुक होकर रो पड़े। 39 साल के मेसी कुछ देर तक उन प्रशंसकों के सामने खड़े रहे जो मैच हारने के बावजूद अपने कप्तान का हौसला बढ़ा रहे थे। ये भावुक तस्वीरें तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गईं और दुनिया भर के समर्थकों ने अर्जेंटीना के इस महान खिलाड़ी को सम्मान दिया। छह वर्ल्ड कप टूर्नामेंट्स वाले शानदार इंटरनेशनल करियर के बाद, यह उम्मीद की जा रही है कि फाइनल मैच थ्थ्। वर्ल्ड कप में मेसी का आखिरी मैच होगा। हार के तुरंत बाद, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने सोशल मीडिया पर मेसी के लिए एक भावुक संदेश शेयर किया और नेशनल टीम के लिए उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। कप्तान, आपके आँसू हमारे आँसू हैं। आपने हमें जिंदगी की सबसे बड़ी खुशियाँ दीं। आपके समर्पण, आपके जादू और आखिरी सेकंड तक अपना सब कुछ झोंक देने के लिए आपका शुक्रिया। हम आपसे हमेशा प्यार करते रहेंगे, लियो।

अर्जेंटीना इस उम्मीद के साथ फाइनल में उतरा था कि वह छह दशकों से ज्यादा समय में थ्थ्। वर्ल्ड कप का खिताब सफलतापूर्वक बचाने वाली पहली पुरुष टीम बनेगी। हालाँकि, स्पेन ने मैच के ज्यादातर हिस्से में अपना दबदबा बनाए रखा और आखध्रिकार एक्स्ट्रा टाइम में निको विलियम्स की मदद से फेरान टोरेस ने गोल करके गतिरोध तोड़ा। एन्जो फर्नांडीज को दूसरा पीला कार्ड मिलने के बाद बाहर भेजे जाने के कारण अर्जेंटीना को 10 खिलाड़ियों के साथ ही एक्स्ट्रा टाइम खेलना पड़ा, जिससे लियोनेल स्कालोनी की टीम के लिए काम और भी मुश्किल हो गया।

इंग्लैंड सीरीज हारने के बाद टीम इंडिया की चोटों पर बोले शुभमन गिल, क्या ऐसे जीतेंगे **ICC World Cup**?

भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 'हर दूसरे या तीसरे मैच' के बाद गेंदबाजों के चोटिल होने की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए सवाल उठाया है कि क्या वे अगले साल होने वाले विश्व कप जैसे लंबी अवधि के टूर्नामेंट को देखते हुए अपनी फिटनेस को गंभीरता से ले रहे हैं। तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम इंग्लैंड से 1–2 से हार गई। रविवार को खेले गए निर्णायक तीसरे मैच में भारत को इंग्लैंड ने 27 रन से हराया। सीरीज शुरू होने से पहले ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और नितीश रेड्डी चोट के कारण बाहर हो गए थे।

युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी टी20 सीरीज के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा। इससे वह वनडे सीरीज में भी नहीं खेल पाए। वाशिंगटन सुंदर दूसरे वनडे में चोटिल हो गए जबकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच में चोट लग गई और वह सीरीज के निर्णायक मैच में नहीं खेल पाए। गिल से जब पूछा गया कि क्या टीम खिलाड़ियों की फिटनेस

को लेकर चिंतित है तो उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से।

अगर आप टीम पर गौर करें तो हमने जो पहली टीम घोषित की थी, उसमें से कम से कम पांच खिलाड़ी इस मैच में नहीं खेले।'' उन्होंने तीसरे मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो आपको अलग संयोजन आजमाना पड़ता है। अगर दो खिलाड़ी बाहर होते हैं तो फिर आपको फिर से अपना संयोजन तैयार करना पड़ता है। अगर हर मैच के बाद ऐसा होता रहा और कोई खिलाड़ी बाहर हो जाता है तो उससे टीम के प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है।''

गिल की चिंता यह है कि अगर खिलाड़ी इसी तरह से कुछ मैच के बाद चोटिल होते रहे तो अगले साल अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप में उसकी परेशानी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा, ''अगर हम विश्व कप को ध्यान में रखें तो हमें लगातार 11 मैच (फाइनल सहित) खेलने होंगे। यहां खिलाड़ी 2–3 मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहे हैं। इसलिए कहीं न कहीं यह बात समझ से परे है कि हमारे खिलाड़ी लगातार मैच क्यों नहीं खेल पा रहे हैं।''

भारतीय कप्तान ने हालांकि किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया लेकिन वह इस बात से नाराज थे कि उनमें से कुछ खिलाड़ी मैच की सुबह खेलने के लिए अयोग्य पाए गए। उन्होंने कहा, ''वे एक या दो मैच खेलते हैं। अगर कोई छोटी–मोटी चोट या कुछ और हो जाता है तो हमें मजबूरन अलग संयोजन के साथ खेलना पड़ता है। इसलिए इन सब बातों को देखते हुए यह थोड़ा मुश्किल है कि सुबह लेकर अगर आपको पता चले कि इस खिलाड़ी को मामूली चोट है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप जोखिम लेना चाहते हैं।'' गिल ने कहा, ''इसलिए मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हमें अपनी फिटनेस या इस तरह की चीजों में सुधार करने की जरूरत है।

रोहित शर्मा का दमदार बयान: संन्यास की अफवाहों पर हिटमैन ने दिया करारा जवाब

रविवार को लॉर्ड्स में ऐतिहासिक शतक लगाने के बाद, पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने इंटरनेशनल भविष्य को लेकर चल रही लगातार अफवाहों को साफ तौर पर खारिज कर दिया और अपने आलोचकों को कड़ा संदेश दिया। श्होम ऑफ क्रिकेटश (लॉर्ड्स) में वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बनने के बाद बात करते हुए, इस अनुभवी बल्लेबाज ने साफ कर दिया कि संन्यास लेने का उनका अभी कोई इरादा नहीं है। भारतीयनौसेना जानकारी मैच के बाद BCCI को दिए एक दमदार इंटरव्यू में, रोहित ने बाहर की बातों और अपने खेल पर फोकस करने के बीच साफ फर्क बताया। शर्मा ने साफ कहा कि मेरा काम बल्ले से खेलना है। मैदान पर उतरना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना। डेब्यू के समय से ही मुझे यही करने के लिए कहा गया है और मैं यही करता रहूंगा। जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से ही ये बातें होती रही हैं। जब तक मैं खेलता रहूंगा, ये बातें होती रहेंगी। इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए अहम यह है कि मैं मैदान पर कैसा खेलता हूं। मैं टीम की कामयाबी में योगदान देना चाहता हूं। मेरा पूरा ध्यान बस इसी पर है।

रोहित के करियर में एक काम अभी अधूरा है कृ जो अब सिर्फ 50–ओवर के फॉर्मेट तक ही सीमित है कृ और वह है साउथ अफ्रीका में 2027 का वर्ल्ड कप जीतना। यह एक ऐसा मिशन था जो 19 नवंबर, 2023 को अहमदाबाद में पूरा नहीं हो सका, जिससे तत्कालीन भारतीय कप्तान लगभग एक महीने तक गुमसुम हो गए थे। **T20I** से शान से रिटायर होने और बिना किसी खास समारोह के टेस्ट क्रिकेट से हटने के बाद, रोहित ने अपना पूरा ध्यान एक ही फॉर्मेट पर लगा दिया है। उनकी यह कोशिश ODI वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को अपने हाथों में उठाने की जबरदस्त चाहत से प्रेरित है। 10 किलो वजन कम करना सिर्फ एक बदलाव नहीं था, बल्कि यह देश के लिए और कुछ समय तक खेलने की उनकी इच्छा को भी दिखाता है। भले ही इंटरनेशनल मैचों के बीच के लंबे गैप की वजह से शुरुआत में वे लय से बाहर लग सकते हैं, लेकिन एक बार जब वे अपनी लय पकड़ लेते हैं, तो वे सचमुच श्हिटमैनश वाली अपनी पहचान को साबित कर देते हैं।

ईरान ने ढूंढ़ ली खाड़ी देशों की कमजोर नस, ऐसा वार, घुटनों पर आएंगे अरब देश!

अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जिसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। अब तक सैन्य ठिकानों, मिसाइल अड्डों और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आ रही थी। लेकिन अब इस संघर्ष की आंच समुद्र के खारे पानी को पीने योग्य बनाने वाले डिसलिनेशन प्लांट्स तक पहुंच गई है। यह वही प्लांट हैं जिन पर खाड़ी क्षेत्र के कई देशों की पीने के पानी की आपूर्ति पूरी तरह से निर्भर करती है। ऐसे में इन संयंत्रों पर हमले केवल युद्ध का हिस्सा नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की बुनियादी जरूरतों पर सीधा खतरा माने जा रहे हैं। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिकी हवाई हमले में हुरमुजगान प्रांत के बोंजी इलाके में स्थित एक डिसलिनेशन प्लांट पूरी तरह से तबाह हो गया है।

ईरानी अधिकारियों के अनुसार इस हमले के बाद करीब 10,000 लोगों की पानी की आपूर्ति ठप हो गई है। जिससे इलाके में पीने के पानी का गंभीर संकट पैदा हो गया है। ईरान का कहना है कि नागरिकों के लिए जरूरी जल आपूर्ति व्यवस्था को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों की भावना के खिलाफ है। वहीं दूसरी ओर कुवैत ने आरोप

लगाया है कि ईरान ने लगातार दूसरे दिन उसके एक पावर प्लांट और वाटर डिसलिनेशन प्लांट को निशाना बनाया जिससे प्लांट में आग लग गई। कुवैती अधिकारियों के मुताबिक आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। लेकिन इस तरह के हमले देश की सुरक्षा के लिए बेहद गंभीर खतरा हैं।

कुवैत सरकार ने कहा कि अगर ऐसे हमले जारी रहे तो देश की आवश्यक सेवाएं और आम लोगों की पानी की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। दरअसल खाड़ी क्षेत्र के अधिकांश देशों के लिए डिसलिनेशन प्लांट जीवन रेखा है। यह संयंत्र समुद्र के खारे पानी से नमक और अन्य अशुद्धियां निकालकर उसे पीने योग्य बनाते हैं। रेगिस्तानी इलाकों में जहां प्राकृतिक मीठे पानी के स्रोत बेहद सीमित है, वहां यही तकनीक करोड़ों लोगों की प्यास बुझाती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो कुवैत और ओमान करीब अपनी 90: पानी की जरूरत डिसलिनेशन प्लांट से पूरी करते हैं। बहरीन में यह आंकड़ा 85: है। जबकि सऊदी अरब अपने करीब 70: पानी की जरूरत इस प्रक्रिया के जरिए पूरा करता है। अबू धाबी, दुबई, दोहा, कुवैत सिटी और जिद्दा जैसे बड़े शहर लगभग पूरी तरह इन्हीं संयंत्रों पर निर्भर है। ऐसे में अगर ये प्लांट बड़े पैमाने पर निशाना बनते हैं तो लाखों नहीं बल्कि करोड़ों लोगों के सामने पीने के पानी का संकट खड़ा हो सकता है। ईरान की स्थिति इससे कुछ अलग है। देश पूरी तरह डिसलिनेशन पर निर्भर नहीं है। लेकिन उसके सूखा प्रभावित तटीय इलाकों में समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले संयंत्र पानी का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इसलिए ईरान में भी ऐसे प्लांट पर हमला स्थानीय आबादी के लिए गंभीर मानवीय संकट पैदा कर सकता है।

गाय पर भाले से हमला, विरोध पर दबंगई; दो आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र के ग्राम बेला मकन में एक ग्रामीण की गाय पर कथित रूप से भाले से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद आरोप है कि दोनों आरोपियों ने भाला हवा में लहराकर आसपास के लोगों को डराने–धमकाने का प्रयास किया। पीड़ित की शिकायत पर खैरीघाट पुलिस ने आरोपी अली मर्दन और अनीस के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े सभी तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बहराइच में भीषण सड़क हादसा: स्कॉर्पियो की टक्कर से ऑटो सवार श्रमिक की मौत, छह घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के मटेरा थाना क्षेत्र के अमरैया गांव के पास सोमवार सुबह करीब 11 बजे तेज रतार स्कॉर्पियो ने एक ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में लखीमपुर खीरी जिले के पालिया कला क्षेत्र के बड़ा गांव निवासी एक श्रमिक की मौत हो गई, जबकि छह अन्य श्रमिक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सभी श्रमिक बहराइच में मजदूरी करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। उन्हें नानपारा से बस पकड़नी थी, लेकिन रास्ते में अमरैया गांव के पास उनकी ऑटो दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और मामले की जांच कर रही है।

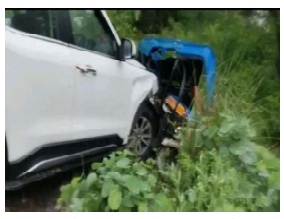

बहराइच में भारी बारिश का असर:21 और 22 जुलाई को कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूल बंद ठै। का आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश और खराब मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन ने कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालयों में 21 एवं 22 जुलाई 2026 को अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय जिलाधिकारी के निर्देश पर छात्र–छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जनपद के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा तथा अन्य सभी बोर्डों के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालय इन दोनों दिनों बंद रहेंगे। बीएसए ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी विद्यालय आदेश का शत–प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। साथ ही सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि 21 या 22 जुलाई को कोई विद्यालय संचालित पाया गया, तो संबंधित विद्यालय के विरुद्ध कठोर कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की जाएगी। आदेश का उल्लंघन करने पर होगी सख्त कार्रवाई।

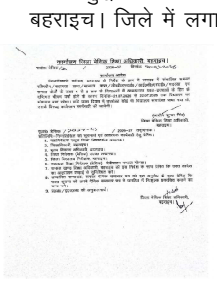

आयुक्त ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत जनपद बहराइच, श्रावस्ती का स्थलीय निरीक्षण कर लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। 21 जुलाई, 2026 को प्रदेश के मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन कार्यक्रम के .ष्टिगत जनपद बहराइच/ श्रावस्ती पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होने व्यवस्था में लगे अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय से सभी व्यवस्थाओं को पूरा कर लिया जाए। हैलीपैड हेतु बनाये जाने वाले स्थल का निरीक्षण किया तथा निर्देशित किया कि हेलीपैड निर्माण कार्य समय पर पूर्ण कर लिया जाए।उन्होने निर्देश दिया कि लाभार्थियों व आम जनमानस के लिए बैठने की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा टेण्ट, लाइट व्यवस्था, साफ–सफाई, बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था इत्यादि की व्यवस्था पूर्ण सुनिश्चित कर ली जाए। इसके अलावा आयुक्त ने पूरे कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर बारीकी से निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये।इस अवसर पर उप महानिरीक्षक अशोक कुमार शुक्ला दोनों जनपदों के जिलाधिकारी,पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रोमी साहू ने रचा इतिहास, एलएनआईपीई ग्वालियर में एआईआर–2 हासिल कर जिले का नाम किया रोशन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में सपनों को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है। इस बात को सच साबित कर दिखाया है जनपद गोंडा की होनहार खेल प्रशिक्षक रोमी साहू ने। संस्कार इंटरनेशनल स्कूल में खेल अध्यापिका के रूप में कार्यरत रोमी साहू का चयन देश के प्रतिष्ठित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर में पीजीडीएससी (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स कोचिंग) पाठ्यक्रम के लिए हुआ है। उन्होंने ओबीसी श्रेणी में अखिल भारतीय रैंक (।प्)–2 प्राप्त कर न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे जनपद गोंडा और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है एलएनआईपीई, ग्वालियर देश का अग्रणी खेल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान माना जाता है, जहां प्रवेश के लिए देशभर से हजारों खिलाड़ी और खेल शिक्षक प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होते हैं। ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान में ऑल इंडिया रैंक–2 हासिल करना किसी भी खिलाड़ी या खेल प्रशिक्षक के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है। रोमी साहू की इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्.ष्ट स्थान प्राप्त किया जा सकता है। रोमी साहू पिछले सात से आठ वर्षों से पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, गोंडा में प्रतिदिन सुबह और शाम नियमित अभ्यास कर रही हैं। कठिन मौसम, व्यस्त दिनचर्या और चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कभी अभ्यास नहीं छोड़ा। खेल के प्रति उनका समर्पण और निरंतर प्रयास ही उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत

बना।वर्तमान में वह संस्कार इंटरनेशनल स्कूल में खेल अध्यापिका हैं, जहां वे विद्यार्थियों को विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण देने के साथ–साथ उन्हें अनुशासन, फिटनेस, टीम भावना और खेल भावना का महत्व भी सिखाती हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के कई छात्र–छात्राएं विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्.ष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। विद्यालय में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। अपनी सफलता पर रोमी साहू ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी नहीं, बल्कि उनके पूरे परिवार, गुरुजनों और प्रशिक्षकों की मेहनत और आशीर्वाद का परिणाम है। उन्होंने कहा, ष्आज मैं जो कुछ भी हूं, उसमें मेरे माता–पिता, भाई–बहनों और गुरुजनों का सबसे बड़ा योगदान है। यदि उनका सहयोग और विश्वास नहीं मिलता, तो शायद मैं इस मुकाम तक नहीं पहुंच पाती।ष उन्होंने विशेष रूप से अपने प्रशिक्षक अशोक सोनकर, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिमेष सक्सेना, जिला क्रीड़ा अधिकारी रंजीत राज तथा राम मनोज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन सभी ने हर कठिन समय में उनका मार्गदर्शन किया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उनके मार्गदर्शन और सहयोग से ही वह राष्ट्रीय स्तर की इस उपलब्धि तक पहुंच सकीं। रोमी साहू के पिता बृजलाल साहू, माता श्रीमती चंद्र साहू तथा भाई राम.पाल साहू ने हमेशा उनका उत्साह बढ़ाया। पांच बहनों में सबसे छोटी रोमी ने बताया कि परिवार ने कभी उन्हें आगे बढ़ने से नहीं रोका, बल्कि हर कदम पर उनका साथ दिया।यही पारिवारिक सहयोग उनकी सबसे बड़ी ताकत बना। इस उल्लेखनीय सफलता पर संस्कार इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधन, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए रोमी साहू को हार्दिक बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि उनकी उपलब्धि पूरे विद्यालय और जनपद के लिए गर्व का विषय है।यह सफलता विद्यार्थियों को यह संदेश देती है कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और .ढ़ इच्छाशक्ति से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। खेल प्रेमियों और जिले के गणमान्य लोगों ने भी रोमी साहू की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे गोन्डा के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।उनका मानना है कि रोमी की सफलता से जिले के युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिलेगी रोमी साहू की यह उपलब्धि केवल एक व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि गोंडा के खेल जगत के लिए भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती। यदि मेहनत, लगन, सही मार्गदर्शन और परिवार का साथ मिले तो छोटे शहरों के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। आने वाले समय में रोमी साहू खेल शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूकर गोंडा का नाम पूरे देश में और अधिक गौरवान्वित करेंगी

टूटी सड़क और कीचड़ भरे मार्ग से होकर बुढ़वा बाबा पहुंचेंगे कांवरिए, 3 किमी संपर्क मार्ग वर्षों से जर्जर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। सावन माह में जहां प्रदेश सरकार शिवभक्त कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाओं का दावा कर रही है, वहीं बहराइच जिले के नानपारा विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड शिवपुर स्थित प्रसिद्ध बाबा बुद्धेश्वर नाथ धाम (बुढ़वा बाबा मंदिर) तक जाने वाला करीब 3 किलोमीटर लंबा संपर्क मार्ग वर्षों से बदहाल पड़ा है। रामपुर धोबिया हार स्थित इस प्राचीन शिव मंदिर में सावन के दौरान क्षेत्र ही नहीं, आसपास के जनपदों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कांवरिए जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। लेकिन जर्जर सड़क और बरसात में कीचड़ से लबालब मार्ग श्रद्धालुओं की आस्था की राह में बड़ी बाधा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सत्ता पक्ष के सांसद, विधायक और ब्लॉक प्रमुख द्वारा किए जाने के बावजूद सड़क की स्थिति में सुधार नहीं हो सका है। श्रद्धालुओं का कहना है कि जिस धाम में लाखों लोगों की आस्था जुड़ी है, वहां तक आज भी विकास का पहिया नहीं पहुंच पाया है। सावन में भारी संख्या में आने वाले कांवरियों को टूटी सड़क और कीचड़ भरे रास्ते से होकर मंदिर तक पहुंचना पड़ता है, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से बुढ़वा बाबा मंदिर तक जाने वाले संपर्क मार्ग का शीघ्र निर्माण कराए जाने की मांग की है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित श्रावस्ती दौरे की तैयारियां तेज, सीताद्वार पंचायत भवन का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित श्रावस्ती दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कार्यक्रम को सफल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को पंचायत भवन सीताद्वार स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने संबंधित अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, पेयजल, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, बैरिकेडिंग तथा अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर ली जाएं और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की गुंजाइश न रहे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के दौरान आमजन, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की आवाजाही को सुचारु बनाए रखने के लिए समुचित यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का प्रस्तावित दौरा श्रावस्ती जनपद के विकास की .ष्टि से महत्वपूर्ण है। इस दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ तैयारियों में जुटा है। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि मुख्यमंत्री के आगमन पर सभी व्यवस्थाएं उच्च स्तर की होंतथा कार्यक्रम सुरक्षित, व्यवस्थित और ऐतिहासिक रूप से सफल बनाया जा सके। इसके लिए संबंधित विभागों को सौंपे गए कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है और समय–समय पर तैयारियों की समीक्षा भी की जा रही है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के बीजपुर–मुर्धवा पर किरबिल गांव में सोमवार दोपहर करीब एक बजे अज्ञात ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान चौरी निवासी 30 वर्षीय राजदेव पुत्र स्व० श्रीनाथ और लीलाडेवा निवासी20 वर्षीय प्रदीप के रूप में हुई। दोनों एक बाइक पर सवार होकर चौरी गांव आ रहे थे जैसे ही वे किरबिल गांव पहुंचे बभनी की ओर जा रहे ट्रेलर उन्हें धक्का मारते हुए फरार हो गया।मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गयी, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पीआरवी पुलिस ने घायलों को 108 एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी म्योरपुर में भर्ती कराया जहां उपस्थित चिकित्सक डा० संजीव बिंद ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों की हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

घरों में घुसा बारिश का पानी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली /महराजगंज। नगर पंचायत सोनौली के वार्ड संख्या–14 स्थित लोहिया नगर में जल निकासी बाधित होने से बारिश का पानी जमा हो गया है। जलभराव के कारण किसान रामविलास शर्मा , कन्हैया लाल, जय प्रकाश,का खेत पूरी तरह पानी में डूब गया है, जिससे फसल को नुकसान की आशंका है। वहीं लगातार जलभराव के चलते आसपास के घरों में भी बारिश का पानी घुस गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार आर.के. इलेक्ट्रॉनिक्स के मकान सहित अन्य घरों में भी पानी भर जाने से परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण हर बारिश में यही समस्या उत्पन्न हो जाती है। लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने तथा स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस समस्या से राहत मिल सके।

फिट इंडिया मिशन के तहत सीएचसी पयागपुर में निकली संडे ऑन साइकिल रैली स्वास्थ्य कर्मियों ने दिया फिट रहने का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर, बहराइच। फिट इंडिया मिशन के अंतर्गत आयोजित

श्संडे ऑन साइकिलश अभियान के तहत रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पयागपुर से जागरूकता साइकिल रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व डॉ. शरद भारती एवं डॉ. अब्दुल वाहिद ने किया। रैली में बीपीएम अनुपम शुक्ल सहित सीएचसी के चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों एवं अन्य कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर नियमित व्यायाम, फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में साइकिल चलाने, नियमित व्यायाम करने और संतुलित आहार अपनाने की आदत विकसित करें। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया मिशन का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ, सक्रिय और जागरूक बनाना है। रैली के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने आमजन को शारीरिक गतिविधियों के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए स्वस्थ भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

दो साल बाद भी नहीं बनी हेमराज पुरवा की सड़क ग्रामीणों में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

शिवपुर/बहराइच। विकासखंड शिवपुर की ग्राम पंचायत धर्मकुंडा

के मजरा हेमराज पुरवा की जर्जर सड़क ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण चार पहिया वाहनों का आवागमन लगभग पूरी तरह बंद हो गया है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे ग्रामीणों, स्कूली बच्चों, किसानों और मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2024 में सड़क निर्माण की मांग को लेकर आमरण अनशन किया गया था। उस समय प्रशासन ने शीघ्र सड़क निर्माण कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की दुर्दशा के कारण एंबुलेंस और अन्य चार पहिया वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में गंभीर दिक्कतें आती हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी बहराइच, खंड विकास अधिकारी शिवपुर तथा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से शीघ्र सड़क निर्माण कराए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे लोकतांत्रिक तरीके से पुनः आंदोलन करने को विवश होंगे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में संवाद और आपसी सहमति से पति–पत्नी के बीच हुआ समझौता

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श केंद्र, श्रावस्ती में आयोजित बैठक के दौरान एक वैवाहिक विवाद का काउंसलिंग एवं आपसी संवाद के माध्यम से सफलतापूर्वक निस्तारण कराया गया। बैठक में प्रभारी उपनिरीक्षक एवं महिला थानाध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता तथा महिला आरक्षी अर्चना रावत की मौजूदगी में दोनों पक्षों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। विस्तृत काउंसलिंग और समझाइश के बाद दोनों पक्ष आपसी सहमति से साथ रहने और पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करने पर राजी हो गए। परामर्श केंद्र की इस संवेदनशील पहल से परिवार में उत्पन्न मतभेद दूर हुए और रिश्तों में पुनः विश्वास कायम हुआ। पुलिस प्रशासन ने बताया कि दोनों पक्षों से भविष्य में आपसी सामंजस्य बनाए रखने का आश्वासन लिया गया है तथा आगे भी परिवार परामर्श केंद्र द्वारा नियमित संपर्क बनाए रखा जाएगा, ताकि पारिवारिक सौहार्द और स्थायी रूप से बना रहे। सुलह–समझौता प्रकरणरू वादी रूबी शुक्ला एवं प्रतिवादी सर्वेश मिश्रा के मध्य चल रहे वैवाहिक विवाद का आपसी सहमति से सफलतापूर्वक निस्तारण कराया गया।

छोटे और मझोले अखबारों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बनेगी रणनीति, दिल्ली में केंद्र सरकार से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

दैनिक बुद्ध का संदेश

रांची। रांची प्रेस क्लब में 20 जुलाई 2026 को ऑल इंडिया न्यूजपेपर्स पब्लिशर्स एंड एडिटर्स एसोसियेशन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के समाचार पत्रों के प्रकाशकों एवं संपादकों ने भाग लेकर छोटे और मझोले अखबारों के सामने आ रही वित्तीय, तकनीकी और प्रशासनिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अशोक कुमार ने कहा कि संगठन का उद्देश्य सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि समाचार पत्रों की वास्तविक समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि जल्द ही एसोसियेशन का एक प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली जाकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, संबंधित केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर विभिन्न मांगों से अवगत कराएगा। बैठक में प्रमुख रूप से मांग उठाई गई कि 75 हजार से कम प्रसार संख्या वाले समाचार पत्रों को जीएसटी और जटिल प्रक्रियाओं से पूर्ण छूट दी जाए। वक्ताओं ने कहा कि अखबार एक ऐसा माध्यम है जो अपनी लागत से काफी कम मूल्य पर पाठकों तक पहुंचता है और पाठकों से जीएसटी भी नहीं लिया जाता, इसलिए इस पर कर संबंधी नियमों में राहत मिलनी चाहिए। प्रेम शंकरण, प्रशांत कुमार और सुमन कुमार सिंह ने बार–बार नियमों में किए जा रहे बदलावों पर चिंता व्यक्त करते हुए पूर्व व्यवस्था बहाल करने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि जीएसटी व्यवस्था जारी रखनी है तो इसकी वसूली न्यूजप्रिंट निर्माताओं और विज्ञापनदाताओं से स्रोत पर ही की जाए। वहीं नित्यानंद शुक्ला, अनुपम शशांक, राज किशोर सिन्हा और विनय कुमार ने समाचार पत्र उद्योग से जीएसटी पूरी तरह समाप्त करने की मांग रखी। इकबाल शबा ने कहा कि पहले सरकार अखबारी कागज पर अनुदान देती थी, जबकि अब उसी पर जीएसटी लगाया जा रहा है। उन्होंने राज्य स्तर पर एमपैनलमेंट प्रक्रिया को सरल बनाने तथा प्रिंटिंग प्रेस से अनुमोदन की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग भी उठाई। बैठक में कमल किशोर ने कहा कि पूर्व में एसोसियेशन के शिष्टमंडल द्वारा दिल्ली में किए गए प्रयासों से 13 महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रीय मंत्री के निर्देश पर कार्रवाई हुई थी। इसके बावजूद बाद में बिना मंत्री की सहमति के नियमों में लगातार संशोधन किए गए, जिससे छोटे और मझोले समाचार पत्रों की कठिनाइयां बढ़ी हैं। उन्होंने जीएसटी और प्रेस से जुड़े व्यवहारिक एवं तकनीकी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संगठन को मजबूत एवं व्यापक बनाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन को विधिवत पंजी.त कर मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए अशोक कुमार, कमल किशोर, प्रेम शंकरण, रजत कुमार गुप्ता, अनुपम शशांक और इकबाल शबा को शामिल करते हुए एक तदर्थ कोऑर्डिनेशन कमेटी का गठन किया गया। सदस्यता फॉर्म तैयार करने की जिम्मेदारी रोहित दत्त को तथा अस्थायी कोष संग्रह का दायित्व संदीप कुमार को सौंपा गया। बैठक में संपूर्णानंद भारती, हिमांशु सहित अन्य वक्ताओं ने संगठन की एकजुटता पर बल देते हुए छोटे और मझोले समाचार पत्रों के हितों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

हज–2027 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 24 जुलाई तक बढ़ी, इच्छुक अभ्यर्थी शीघ्र करें आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के अनुसार हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई द्वारा जारी सर्कुलर–3 के तहत हज–2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई, 2026 से बढ़ाकर 24 जुलाई, 2026 कर दी गई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने जनपद के इच्छुक हज आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट ीजजचेरू/ /रिबवउउपजजमम. हवअ.पद पर ऑनलाइन आवेदन अवश्य पूर्ण कर लें। जिन आवेदकों ने केवल पंजीकरण कराया है, लेकिन किसी कारणवश आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं की है, वे भी अंतिम तिथि से पहले आवेदन पूर्ण कर लें, अन्यथा हज–2027 के लिए उनका आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन आवेदकों को अभी तक भारतीय अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट प्राप्त नहीं हुआ है, वे तत्काल संबंधित पासपोर्ट कार्यालय से संपर्क कर पासपोर्ट प्राप्त कर लें, ताकि अंतिम तिथि से पूर्व आवेदन प्रक्रिया पूरी की जा सके। हज यात्रियों के चयन के लिए ऑनलाइन कुर्रा (डिजिटल रैंडम सेलेक्शन) का आयोजन 30 जुलाई, 2026 को हज हाउस, मुंबई में किया जाएगा। चयनित हज यात्रियों की सूची हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी तथा आवेदकों को एसएमएस के माध्यम से भी सूचना दी जाएगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने बताया कि चयनित हज यात्रियों को 10 अगस्त, 2026 तक रूपया 1,52,300 की अग्रिम धनराशि हज कमेटी ऑफ इंडिया के खाते में जमा करनी होगी। उन्होंने सभी इच्छुक आवेदकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है।

जनशिकायतों की सुनवाई में अब नहीं चलेगी लापरवाही जिलाधिकारी का सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में जनसुनवाई व्यवस्था को पूरी तरह जवाबदेह एवं परिणाममुखी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने निर्देश जारी किया हैं। उन्होंने कहा है कि आमजन की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता, विलंब अथवा लापरवाही अब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जिला स्तरीय, तहसील स्तरीय, विकास खण्ड, नगर पालिका, नगर पंचायत एवं अन्य संबंधित कार्यालयों में प्राप्त जनशिकायतों का उसी समय प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। इस पूरी व्यवस्था की स्वयं जिलाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से प्रतिदिन ऑनलाइन निगरानी एवं समीक्षा करेंगे। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों, उप जिलाधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय तथा विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि निर्धारित समय पर अपने–अपने कार्यालयों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा है कि ऑनलाइन समीक्षा के दौरान यदि कोई अधिकारी अनुपस्थित पाया जाता है अथवा शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, उदासीनता या अनावश्यक विलंब करता है तो वेतन अवरुद्ध करने के साथ ही प्रशासनिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि आम नागरिकों को उनकी शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनसुनवाई केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि प्रत्येक शिकायत का प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण समयबद्ध ढंग से किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी स्वयं उत्तरदायी होंगे।

जिलाधिकारी ने की कर–करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिये निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व कार्यक्रमों व कर–करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक की, जिलाधिकारी ने मानक के मुताबिक वसूली के लक्ष्य को पूरा करने, तहसील स्तरों पर बकायेदारों पर वसूली की कार्यवाही करने, आर0सी0 का नियमित मिलान करने के साथ ही सरकारी जमीनों को सुरक्षित करते हुए जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बन्धितों को दिये गये। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित महीने के अनुरूप लक्ष्य वसूली के कार्य में तेजी लाया जाये, जिससे राजस्व वसूली के प्रगति में तेजी लाया जा सकें, इस कार्य में शिथिलता न बरती जायें, लक्ष्य पूरा न करने वालों की जिम्मेदारी तय की जाये। उन्होंने कहा कि तहसीलों का काम समयबद्ध और बेहतर तरीके से करने के लिए कड़ाई के साथ उप जिलाधिकारी व तहसीलदार राजस्व कार्मिक अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि राजस्व मुकदमों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाय, जमीनी विवादों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जाये, किसी भी हाल में जनता के साथ अन्याय न होने पायें, इसका भी ध्यान दिया जाये। पी0एम0 स्वनिधि योजना में लक्ष्य के अनुरूप आवेदन नहीं किये जाने व ऋण वितरण न किये जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों नगर पालिका परिषद/नगर पंचायतों का वेतन भुगतान पर रोक लगाने के निर्देश दिये है। बैठक के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि बाजार में बिकने वाले खाद्य सामग्री की जॉच कराते रहें, ताकि किसी प्रकार प्रकार की मिलावटी की स्थिति न आने पायें, इसके लिए छापेमारी की कार्यवाही में तेजी लाया जायें और जो भी शासन द्वारा मानक व फार्मूला निर्धारित किया गया है, उसका अक्षरशः अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, उप जिलाधिकारी दुद्धी रवि पासवान, उप जिलाधिकारी मुख्यालय आकांक्षा गौतम, उप जिलाधिकारी सदर आशीष त्रिपाठी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता, सदर तहसीलदार अमित कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी रामलाल यादव सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

डीपी एक्ट मामले में वांछित वारंटी अभियुक्तगिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना दुद्धी पुलिस ने दहेज प्रतिषेध अधिनियम (डीपी एक्ट) से संबंधित एक वारंटी अभियुक्त को गिरतार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दुद्धी पुलिस को यह सफलता मिली। पुलिस के अनुसार मु. नं. 2786/2023, धारा 323, 504, 506, 498ए भादवि एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम से संबंधित वारंटी अभियुक्त शिवप्रसाद पुत्र राघव, निवासी नवजीवन, थाना विन्ध्यनगर, जिला सिंगरौली (मध्य प्रदेश) को उसके घर से गिरतार किया गया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद रविवार को अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया गया। गिरतारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मनोज कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार सिंह एवं महिला आरक्षी सुमन सरोज शामिल रहीं। पुलिस ने बताया कि जनपद में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरतारी के लिए अभियान लगातार जारी है।

जमीनी विवाद में कुल्हाड़ी व लाठी–डंडे से हमला हालत गंभीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बभनी (सोनभद्र)। बभनी थाना क्षेत्र के रंदह गांव में रविवार की रात खेत की मेढ़ को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति पर कुल्हाड़ी व लाठी–डंडों से हमला कर दिया गया। मारपीट में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल व्यक्ति को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, खेत की मेढ़ और थोड़े से जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि एक पक्ष के रामजनम,रामशकल पुत्रगण हरि,हरि पुत्र रुपचंद,फूलमतिया पत्नी हरि, शांति पत्नी रामशकल तथा संगीता पत्नी रामजनम ने कुल्हाड़ी और लाठी–डंडों से हमला कर दिया, जिससे लक्ष्मन 70 पुत्र रुपचंद निवासी रंदह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके शरीर पर लाठी डंडे की मार तथा सिर पर कुल्हाड़ी से प्रहार कर दिया गया जिससे वह लहुलुहान हो गया और वहीं गिर गया। टना की सूचना मिलते ही सब इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार पाठक मयफोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घायल पड़े व्यक्ति को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक डीपी यादव का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। घायल की तहरीर तथा चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जनसेवा के पांच साल पूरे, ब्लॉक प्रमुख राकेश मद्धेशिया का भावुक संदेश बना चर्चा का विषय

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवा/महराजगंज। विकासखंड नौतनवा के ब्लॉक प्रमुख राकेश मद्धेशिया का पांच वर्षीय कार्यकाल सोमवार को पूरा हो गया। इस अवसर पर उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से क्षेत्र पंचायत सदस्यों, ग्राम प्रधानों और क्षेत्रवासियों के नाम भावुक संदेश जारी कर सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका संदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दे रहे हैं। राकेश मद्धेशिया ने अपने संदेश में कहा कि उन्होंने ब्लॉक प्रमुख के रूप में केवल जनप्रतिनिधि की भूमिका नहीं निभाई, बल्कि क्षेत्र के बेटे की तरह हर सुख–दुख में लोगों के साथ खड़े रहने का प्रयास किया। जनता की समस्याओं को अपनी समस्या मानते हुए उनका समाधान कराने और विकासखंड नौतनवा में विकास कार्यों को गति देने के लिए लगातार प्रयास किए। उन्होंने क्षेत्र पंचायत सदस्यों, ग्राम प्रधानों एवं क्षेत्रवासियों के सहयोग और विश्वास के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि उनके कार्यकाल में कोई त्रुटि हुई हो तो उन्हें अपना छोटा भाई या बेटा समझकर क्षमा करें।

उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। ब्लॉक प्रमुख ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार वह आगामी छह माह तक प्रशासक के रूप में विकासखंड नौतनवा की जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि आगे भी क्षेत्रवासियों का सहयोग मिलता रहेगा और वह पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ जनहित और विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे। ब्लॉक प्रमुख के पांच वर्षीय कार्यकाल की पूर्णता पर जारी उनका यह संदेश सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। बड़ी संख्या में लोग उन्हें सफल कार्यकाल के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर जनसेवा की शुभकामनाएं दे रहे हैं।

भूमि एवं जल संरक्षण योजनाओं से किसानों को मिलेगा लाभ 1000 हेक्टेयर क्षेत्र का होगा उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में भूमि एवं जल संरक्षण कार्यों को गति देने तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति, जिला मिशन समिति एवं डब्ल्यूसीडीसी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वी.ति प्रदान की गई। बैठक में भूमि संरक्षण अधिकारी, रॉबर्ट्सगंज ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत जनपद में 1000 हेक्टेयर बीहड़, बंजर एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का उपचार कराया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय .षि विकास योजना (खेत तालाब योजना) के अंतर्गत 50 लघु खेत तालाब का निर्माण कराया जाएगा। खेत तालाब योजना के लाभार्थियों का चयन विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण के उपरांत ई–लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ावा देना, अनुपयोगी एवं बंजर भूमि को .षि योग्य बनाना तथा किसानों की सिंचाई सुविधा को सु.ढ़ करना है। खेत तालाबों के निर्माण से वर्षा जल का संरक्षण होगा, भूजल स्तर में सुधार आएगा और किसानों को खेती के लिए अतिरिक्त जल उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों का चयन पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया से किया जाएगा तथा पात्र किसानों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ कराया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। बैठक में प्रस्तुत सभी प्रस्तावों को जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति द्वारा अनुमोदित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, उप .षि निदेशक राजकुमार, उपायुक्त स्वतः रोजगार सरिता सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, जिला .षि अधिकारी वीरेन्द्र कुमार, सहायक अभियंता (लघु सिंचाई) तथा भूमि संरक्षण अधिकारी रॉबर्ट्सगंज एवं चोपन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आई०जी०आर०एस० पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप ससमय किया जाये–सुनिश्चित–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली जन शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ ही अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के उपस्थिति में बैठक की गयी। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की मंशा है कि जनता दर्शन, तहसील दिवस, आई0जी0आर0एस0, थाना समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण ससमय व गुणवत्ता पूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाये, जिससे कि जन मानस की समस्याओं का ससमय निस्तारण हो सकें। उन्होंने कहा कि आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायातों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारी स्थल पर जाकर शिकायतकर्ता का फीडबैक प्राप्त करते हुए शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करें, निस्तारण के दौरान स्थल पर कार्यवाही सम्बन्धी जी0पी0एस0 फोटोग्रास अपलोड करना सुनिश्चित करें, सम्बन्धित अधिकारी प्रतिदिन आई0जी0आर0एस0 पोर्टल को लागिन करते हुए प्राप्त होने वाली शिकायतों का फीडबैक भी प्राप्त करते रहें और प्राप्त शिकायतों का निस्तारण भी ससमय कराना सुनिश्चित करें, उन्होनें कहा कि जिन भी अधिकाररियों के शिकायतें डिफाल्टर की श्रेणी में प्राप्त होगीं उन अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जायेगी। अंतिम दिवस में शिकायतों के निस्तारण करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, जिला अल्प संख्यक अधिकारी सुधांशू शेखर शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन समस्या सुन किया निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में 20 जुलाई 2026 सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद , की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 4, नगर पंचायत ओबर में 3, नगर पंचायत रेनुकूट में 4, नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 24 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद , द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

25 जुलाई से शुरू होगा चातुर्मास, पद्म पुराण के अनुसार इन 8 नियमों का करें पालन

इस साल चातुर्मास का आरंभ 25 जुलाई 2026 से होने जा रहा है। हिंदू धर्म में चातुर्मास को बेहद खास माना जाता है। देवशयनी एकादशी से चातुर्मास का प्रारंभ होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवशयनी एकादशी के दिन से भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और अगले चार महीने तक वह निद्रा में रहते है।

इस दौरान सृष्टि का संचार भगवान शिव के रुद्र अवतार करते हैं। मान्यता है कि इन दिनों किया गया जप–तप, दान पुण्य और व्रत विशेष फलदायी रहता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, चातुर्मास की अवधि में भगवान विष्णु एक तो रुप में राजा बलि के पास रहते हैं और दूसरे रुप में शेष शय्या पर शयन करते हैं। आइए आपको बताते हैं पद्म पुराण के अनुसार, चतुर्मास में किन बातों का ज्यादा ध्यान देना चाहिए आपको बताते हैं इस लेख में–

चातुर्मास का नियम – पद्म पुराण के मुताबिक, चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु शेषशैय्या पर सो जाते हैं। इसलिए इस महीने में धरती या फिर पलंग पर कंबल बिछाकर शयन करना चाहिए। इस पर गद्दा तो बिल्कुल न डालें। जो लोग इस महीने धरती पर शयन करते है, उन्हें धन, पुत्रादि की प्राप्ति होती है। इन लोगों को व्यक्ति को कोढ़ की बीमारी नहीं होती है।

– इन 4 महीनों में दीपदान का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस महीने में दीपदान करने से ज्ञान में वृद्धि होती है और एक साथ हजारों दीपदान करने का फल मिलता है।

– पद्म पुराण के अनुसार, चातुर्मास में 24 घंटे में व्यक्ति एक बार भोजन करता है, उस व्यक्ति की गिनती अग्निष्टोम यज्ञ करने के फल प्राप्त होता है।

– इस अवधि में जो व्यक्ति दूध और सिर्फ फल खाता है, उसे पापों को नाश होता है। जो व्यक्ति इस महीने में दही का त्याग करता है उसे गोलोक की प्राप्ति होती है। चातुर्मास में आने वाले दोनों पक्षों की एकादशी का व्रत करना चाहिए।

– चातुर्मास के दौरान तिल, आंवला और बिल्वपत्र जल में मिलाकर स्नान करने वाले व्यक्ति के पापों से नाश होता है और मन में प्रसन्नतादायक रहेगी। इसके साथ ही ओम नमः शिवाय का जप जरुर करें। फिर पानी का लोटा सिर पर डाले तो आपको पित्त की बीमार से राहत मिलेगी।

– इस दौरान किसी भी व्यक्ति की निंदा न करें, कोशिश करें कि आप ब्रह्मचार्य का पालन करें। भजन सुने और संतों की सेवा करें, जिससे आपको अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इन चार महीनों में झूठ बिल्कुल भी न बोले।

– चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु के आगे खड़े होकर पुरुष सूक्त का पाठ कर सकते हैं। ऐसा करने से बुद्धि में वृद्धि होती है। इस महीने में श्नमो नारायणायश मंत्र का जप कम से कम 108 बार जप करें।

लॉकअप 22 में बवाल, श्रेया कालरा ने राम कपूर पर लगाए संगीन आरोप, बोलीं– कीस करने की...

नेटफ्लिक्स के मशहूर रियलिटी शो लॉकअप 2 में हाल ही में कंटेस्टेंट्स ने अपने–अपने गैंगलीडर चुने। इस दौरान शिवांगी जोशी और आकांक्षा चमोला को गैंग लीडर बनाने के लिए सबसे ज्यादा वोट और सपोर्ट मिला। लेकिन जब श्रेया कालरा का नाम सामने आया, तो घर के किसी भी सदस्य ने उन्हें अपना समर्थन नहीं दिया। यहां तक कि सीनियर एक्टर राम कपूर ने भी श्रेया को सपोर्ट करने से साफ मना कर दिया। इस बात से श्रेया कालरा बेहद नाराज हो गईं और उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने न सिर्फ सरेआम राम कपूर को फटकार लगाई, बल्कि शिल्पा शिंदे के सामने भी अपनी भड़ास निकाली।

राम कपूर के व्यवहार पर श्रेया ने उठाए सवाल

श्रेया ने राम कपूर से सपोर्ट मांगते हुए कहा कि उन्होंने राम को तीन बार सुरक्षित किया था, इसलिए कम से कम उन्हें तो सपोर्ट करना चाहिए था। राम के इनकार के बाद श्रेया ने शिल्पा के सामने एक बड़ा दावा किया। उन्होंने बताया कि जब शिवांगी जोशी एक टास्क कर रही थीं, तब राम कपूर उनके बेहद करीब आ गए थे, जिसके बाद हर्षद चोपड़ा ने उन्हें वहां से दूर किया। श्रेया ने नाराजगी जताते हुए कहा कि राम कपूर को अपनी सीमाएं तय करनी चाहिए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर इस बार राम कपूर ने उन्हें किस करने की कोशिश की, तो वह उन्हें सीधे मना कर देंगी।

सीनियॉरिटी पर बरसीं श्रेया, आगे बढ़ेगा विवाद

श्रेया ने राम पर अपना गुस्सा जारी रखते हुए कहा कि उन्होंने राम कपूर के लिए तीन टास्क जीते, लेकिन फिर भी राम कपूर ने उनके समर्थन में एक हाथ तक नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि वह ऐसी सीनियॉरिटी की इज्जत नहीं कर सकतीं और ऐसे सीनियर होने पर उन्हें अफसोस है। श्रेया ने साफ किया कि अगर फराह मैम भी उनसे इस बारे में पूछेंगी, तो वह अपनी बात पर टिकी रहेंगी। राम कपूर को आड़े हाथों लेने के बाद अब घर का माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया है।

जब दीपिका पादुकोण ने रचा था इतिहास... फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी का अनावरण करने वाली बनी थीं पहली भारतीय

साल 2026 के फीफावर्ल्ड कप फाइनल में जब दक्षिण कोरियाई अभिनेत्री जंग हो–योन ने ट्रॉफी सेरेमनी में हिस्सा लेकर इतिहास रचा, तो फुटबॉल प्रशंसकों को एक भारतीय ग्लोबल स्टार से जुड़ा ऐसा ही एक गौरवान्वित करने वाला ऐतिहासिक पल याद आ गया। कतर में आयोजित 2022 फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के दौरान, बॉलीवुड सुपरस्टार दीपिका पादुकोण फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी का अनावरण करने वाली इतिहास की पहली भारतीय बनी थीं। उस ऐतिहासिक पल की तस्वीरें और वीडियो आज भी

इंटरनेट पर प्रशंसकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। इस घटना की तस्वीरें और वीडियो जल्द ही इंटरनेट पर तेजी से फैल गए, और दीपिका को सफेद शर्ट के साथ गोल्डन ओवरकोट पहने हुए देखा गया जब वह ट्रॉफी के अनावरण के लिए पिच पर उतरीं।

दीपिका ने इकर कैसिलास के साथ ट्रॉफी का अनावरण किया

बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण ने अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच फाइनल मैच से पहले फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी का अनावरण करने के लिए स्पेनिश फुटबॉलर इकर कैसिलास के साथ हाथ मिलाया। फीफा प्रोटोकॉल के तहत, केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही इसे छूने या ले जाने की अनुमति है, जिनमें पूर्व फीफा वर्ल्ड कप विजेता, राष्ट्राध्यक्ष और नामित अधिकारी शामिल हैं।

दीपिका की मौजूदगी एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुई, जिससे वह फुटबॉल के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार का अनावरण करने का सम्मान पाने वाली पहली भारतीय बन गईं।

रणवीर सिंह स्टैंड्स से चीयर करते दिखे

फाइनल में दीपिका के साथ उनके पति रणवीर सिंह भी मौजूद थे। फैन्स द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में इस जोड़े को स्टैंड्स से मैच का आनंद लेते हुए देखा गया। एक क्लिप में, रणवीर को एक दोस्त के साथ उत्साहपूर्वक खेल पर चर्चा करते हुए देखा जा सकता है, जबकि दीपिका पिच पर हो रहे खेल को देख रही थीं।

सितारों से सजा फीफा वर्ल्ड कप फाइनल

अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच 2022 फीफा वर्ल्ड कप फाइनल ने दुनिया भर की मशहूर हस्तियों को आकर्षित किया। टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे यादगार फाइनल में से एक में, अर्जेंटीना ने पेनल्टी में फ्रांस को हराकर 38 साल बाद ट्रॉफी जीती। लुसैल स्टेडियम में कई भारतीय हस्तियां मौजूद थीं, जिनमें शाहरुख खान, नोरा फतेही, करिश्मा कपूर, रवीना टंडन और कार्तिक आर्यन शामिल थे।

जंग हो–योन ने 2026 में इस परंपरा को आगे बढ़ायाः फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में, स्क्विड गेम स्टार जंग हो–योन ने आधिकारिक फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी सेरेमनी में भाग लेने वाली पहली कोरियाई एक्टर बनकर फुटबॉल के इतिहास में एक और मील का पत्थर जोड़ा। लुई वितों की ग्लोबल एंबेसडर के तौर पर, अर्जेंटीना के खिलाफ स्पेन के फाइनल मैच से पहले, उन्होंने स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज के साथ खास तौर पर डिजाइन किया गया ट्रॉफी केस लेकर मैदान में कदम रखा। उनके इस अंदाज ने सबका ध्यान खींचा और फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर एशियाई सितारों की बढ़ती मौजूदगी को उजागर किया।

कहीं आप भी तो नहीं करती शेपवियर का इस्तेमाल, इसे रोजाना पहनने के हैं यह साइडइफेक्ट्स

महिलाएं शेपवियर पहनना काफी ज्यादा पसंद करती हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि इसे पहनने के बाद किसी भी साइज और शेप की महिला फिट एंड कॉन्फिडेंट दिखती हैं. आम बोलचाल की भाषा में यह कहना गलत नहीं होगा कि बॉडी को एक परफेक्ट शेप में दिखाने के लिए अक्सर महिला शेपवियर का इस्तेमाल करती है. स्लिमिंग बॉडी सूट से लेकर टमी कंट्रोल पैंटी तक का इस्तेमाल अक्सर महिला इसी वजह से करती है. हममें से कई ऐसी महिला हैं जो खुद को प्रेजेंटेबल बनाने के साथ–साथ कॉन्फिडेंट दिखने के लिए शेपवियर का इस्तेमाल करती है. लेकिन बहुत सारी महिलाओं को यह पता नहीं है रोजाना शेपवियर पहनने से शरीर पर इसके कई सारे साइड इफेक्ट्स दिख सकते हैं.

शेपवियर कैसे यूटीआई और यीस्ट इंफेक्शन का बनता है कारण

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रोजाना शेपवियर का इस्तेमाल सेहत के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक है. हेल्थ एक्सपर्ट और डॉक्टर्स के मुताबिक यह यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन से लेकर यीस्ट इंफेक्शन तक का खतरा बना रहता है. आज हम इस आर्टिकल के जरिए इसे रोजाना पहनने के साइड इफेक्ट्स के बारे में जानेंगे.

शेपवियर पहनने से हो सकती हैं महिलाओं को यह बीमारी

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन

रोजाना शेपवियर पहनने से यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) होने का खतरा बढ़ सकता है. कपड़े के ज्यादा फिट होने के कारण यूरिनरी के पूरे फंक्शन पर दबाव पड़ सकता है. जिसके कारण यूरिनरी टैक्ट में बैक्टीरिया पनप सकता है. जिसकी वजह यूटीआई होने की संभावना बढ़ सकती है. कुछ शेपवियर पहनने से यूथेरा में जलन या असुविधा पैदा होती है. अगर आपको भी ऐसी दिक्कत हो रही है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें नहीं तो इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाएगा.

यीस्ट इंफेक्शन

शेपवियर जैसे टाइट–फिटिंग कपड़े पहनने से वजाइनल एरिया में जलन, गर्मी हो सकती है. जिसके कारण यीस्ट पनपने का खतरा बढ़ जाता है. इतनी टाइट फिटिंग कपड़ा पहने से आपको उस एरिया में खुजली और जलन हो सकती है. यदि आपको उस जगह पर खुजली हो रही है तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें.

स्किन इंफेक्शन

बहुत अधिक टाइट शेपवियर पहनने से आपके स्किन पर इंफेक्शन हो सकता है. जिसके कारण स्किन पर जलन और इफेक्शन फैल सकता है. इसकी वजह से त्वचा पर कट या खरोंच भी आ सकते हैं. शेपवियर पहनने से आपको उस एरिया में लाल दाग और सूजन हो गया है तो आपको बचकर रहना चाहिए.

पीठ दर्द

हर दिन शेपवियर पहनने से आपके पेट और पीठ की मांसपेशियों पर अत्यधिक दबाव पड़ सकता है, जो समय के साथ पीठ दर्द और परेशानी का कारण बन सकता है. इसके अलावा बहुत अधिक टाइट शेपवियर वाले कपड़े आपकी मांसपेशियों को खींच सकते हैं और मांसपेशियों में ऐंठन पैदा कर सकते हैं जो आगे चलकर पीठ दर्द बढ़ा सकते हैं. यदि आपको शेपवियर पहनते समय पीठ दर्द या किसी तरह की असुविधा होती है. जो आगे जाकर गंभीर बीमारी बन सकती है.

पाचन संबंधी दिक्कतेंः शेपवियर जैसे टाइट–फिटिंग कपड़े इंटरनल बॉडी पार्ट को सिकुड़ सकते हैं. साथ ही आपकी पाचन शक्ति को भी काफी हद तक प्रभावित कर सकती है. इससे आपको गैस, सूजन, ऐंठन और पेट खराब की समस्या हो सकती है. लंबे वक्त तक ज्यादा टाइट कपड़ा पहनने से पेट और आंत सिकुड़ सकते हैं. इससे आपकी ब्लड सर्कुलेशन भी काफी हद तक प्रभावित हो सकती है. इसलिए कोशिश करनी चाहिए ढीले–ढाले कपड़े पहनने की.